शुक्रवार
11 फरवरी 2022

पृष्ठ 4

टमाटर की चटनी को स्टोर करने के लिए अपनाएं ये तरीके

पृष्ठ 5

विजय देवरकोंडा के साथ फिल्म जन गण मन में दिखेंगी जान्हवी

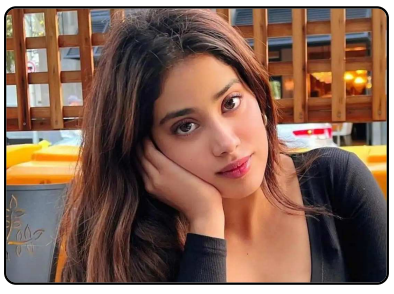

● देहरादून
● वर्ष 30
● अंक 18
● पृष्ठ 8
● मूल्य ₹ 1.00

आज का विचार

चाहे गुरु पर हो या ईश्वर पर, श्रद्धा अवश्य रखनी चाहिए। क्यों कि बिना श्रद्धा के सब बातें व्यर्थ होती हैं।

– समर्थ रामदास

दूनवैलीमेल

सांध्य दैनिक

email: doonvalley_news@yahoo.com Website: dunvalleymail.com

आर.एन.आई.- 59626/94

डीएवीपी से मान्यता प्राप्त

नेक नियत वालों का साथ जनता कभी नहीं छोड़ती: मोदी

संवाददाता

अल्मोड़ा। इस बार का चुनाव भाजपा नहीं उत्तराखंड की जनता लड़ रही है इसलिए इस बार भाजपा जीत के सारे रिकॉर्ड तोड़ने वाली है। जो लोग भ्रम फैला रहे हैं वह अल्मोड़ा आकर इस जनसैलाब को देखें और उनके उत्साह को देखें। हमारी नियत नेक है और नेक नियत वालों का जनता कभी साथ नहीं छोड़ती है। उत्तराखंड का विकास मेरी सर्वोच्च प्राथमिकता है।

प्रधानमंत्री मोदी ने आज यह बात अल्मोड़ा में आयोजित विजय संकल्प सभा में बोलते हुए कही। उन्होंने एक बार फिर कांग्रेस पर हमला बोलते हुए कहा कि कांग्रेस फूट डालो और राज करो वाली पार्टी है। उन्होंने तंज कसते हुए कहा कि मैं हर बार आपके बीच आता हूं क्या कांग्रेस का कोई नेता आपके पास आता है? उन्होंने कहा कि वैसे भी कांग्रेस के पास अब नेता है ही कहां पार्टी के नाम पर बस भाई-बहन ही बचे हैं।

मोदी ने कहा कि भाजपा ने राज्य में जिन विकास कार्यों की शुरुआत की है वह रुकने नहीं चाहिए इसलिए राज्य में

❑अटकाने, भड़काने वालों से सावधान रहें
❑भाजपा ही कर सकती है उत्तराखंड का विकास

फिर से डबल इंजन सरकार की जरूरत है। अगर वह सत्ता में आए तो इन विकास के कामों पर फिर से ब्रेक लग जाएगा। विकास को अपनी सर्वोच्च प्राथमिकता बताते हुए उन्होंने कहा कि हमने केंद्रीय बजट में पर्वतमाला योजना की घोषणा की है। जिससे पहाड़ों में कनेक्टिविटी को और अधिक बेहतर किया जाएगा, आधुनिक रोपवे बनाए जाएंगे। हमने राज्य के सीमांत जिलों के गांवों के विकास के लिए बांब्रेड विलेज योजना तैयार की है। सीमा के अंतिम गांव तक अच्छी सड़कें और संचार सुविधा प्रदान की जाएगी।

उन्होंने कहा कि पहाड़ के बारे में कहा जाता है कि पहाड़ का पानी और जवानी उसके काम नहीं आता है हम इसे पलट कर दिखाएंगे। अब पहाड़ का पानी और जवानी दोनों राज्य के काम

◀◀ शेष पृष्ठ 7 पर

हरदा तो वाकई हरदा है: शिवराज

हरिद्वार। उत्तराखंड के चुनावी दौरे पर आए मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कांग्रेस पार्टी को केकड़ा पार्टी बताने के बाद आज फिर हमला बोलते हुए कहा कि मैं सोचता था कि हरदा कांग्रेस के बड़े नेता हैं उन्हें लोग हारदा क्यों कहते हैं? उन्होंने कहा कि मैंने जब हरदा का चुनावी रिकॉर्ड देखा तो मुझे समझ आया कि हरदा तो वाकई हारदा नेता है। हरदा पांच बार लोकसभा चुनाव हार चुके हैं और दो बार विधानसभा चुनाव। ऐसे में लोग उन्हें हारदा नहीं कहेंगे तो क्या कहेंगे। वह कहते हैं कि मैंने 10 बार चुनाव लड़ा है और 10 बार जीता हूं कभी एक बार भी अपना चुनावी क्षेत्र नहीं बदला।

केजरीवाल का गारंटी वाला घोषणा पत्र जारी

❑वायदे पूरे न होने पर अदालत में कर देना मुकदमा

संवाददाता

देहरादून। उत्तराखंड चुनाव में दमखम के साथ उतरी आम आदमी पार्टी ने भी आज चुनाव प्रचार के अंतिम दौर में अपना चुनावी घोषणा पत्र जारी करते हुए कहा है कि उनके घोषणा पत्र में चुनावी वायदे नहीं है। आम आदमी पार्टी का कहना है कि सत्ता में आने पर अगर वह अपना वायदा पूरा नहीं कर पाती है तो जनता को उसके खिलाफ अदालत जाने का अधिकार भी होगा।

आम आदमी पार्टी द्वारा आज जारी किए गए इस घोषणा पत्र में हालांकि नया कुछ नहीं है। घोषणा पत्र में जिन बातों का उल्लेख किया गया है उसे चार दिन पहले ही अरविंद केजरीवाल अपने

●शहीदों को एक करोड़ की सम्मान राशि
●महिलाओं को एक हजार व बेरोजगारों को पांच हजार हर माह

उत्तराखंड दौरे के दौरान बता चुके थे। आज आम आदमी पार्टी के नेता गोपाल राय द्वारा इसे घोषणा पत्र के रूप में जारी किया गया है। जिसमें 10 बातों का प्रमुखता से उल्लेख किया गया है आप के इस घोषणा पत्र में आम आदमी पार्टी द्वारा राज्य के शहीद जवानों को चाहे वह किसी भी पुलिस फोर्स या बल में हो शहीद होने की स्थिति में एक करोड़ की सम्मान राशि देने की गारंटी दी गई है।

◀◀ शेष पृष्ठ 7 पर

हिजाब विवादः हाईकोर्ट के फैसले को चुनौती देने वाली अर्जी पर सुप्रीम कोर्ट ने सुनवाई से किया इनकार

नई दिल्ली। हिजाब मामले में कर्नाटक हाई कोर्ट के आदेश के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट ने दायर की गई याचिका पर फिलहाल सुप्रीम कोर्ट ने दखल देने से मना कर दिया है और कहा है कि फिलहाल मामला हाई कोर्ट को ही देखने दीजिए, समय आने पर इस मामले के बारे कोर्ट विचार करेगा। आज सुप्रीम कोर्ट में याचिकाकर्ताओं ने कर्नाटक हाईकोर्ट के अंतरिम आदेश पर रोक लगाने की मांग की थी और कोर्ट से इस बारे में संज्ञान लेने को कहा था। लेकिन सुप्रीम ने इस मामले में सुनवाई करने से ही इनकार कर दिया है। सुप्रीम कोर्ट का कहना है कि पहले कर्नाटक हाईकोर्ट में इस मामले की सुनवाई पूरी होने दीजिए, सही वक्त आने पर कोर्ट सुनवाई करेगा।

सुप्रीम कोर्ट की याचिकाकर्ताओं को सलाह दी कि एक स्थानीय मामले को राष्ट्रीय समस्या न बनाएं। बता दें कि याचिकाकर्ताओं ने कर्नाटक हाईकोर्ट के अंतरिम आदेश को मुस्लिम लड़कियों से भेदभाव वाला बताया था। कोर्ट ने कल ही कहा था कि स्कूल–कॉलेजों में किसी धर्म विशेष के वस्त्र के ड्रेस कोड की अनुमति नहीं होनी चाहिए और इसके साथ ही कोर्ट ने कहा था कि स्कूलों को बंद नहीं रखना चाहिए, खोल देना चाहिए। कोर्ट के आदेश के बाद राज्य सरकार ने सोमवार से स्कूलों को खोलने के आदेश दे दिए हैं। आज सुप्रीम कोर्ट में बेंगलुरू के रहने वाले मोहम्मद आरिफ के अलावा कर्नाटक के मस्ज़िद, मदरसों के एक संगठन ने भी सुप्रीम कोर्ट में याचिका दाखिल की थी, जिसे कोर्ट ने खारिज कर दिया है।

भारत में 24 घंटे में कोरोना के 58,077 नए मामले आए, 150,407 मरीज हुए ठीक

नई दिल्ली। भारत में कोरोना संक्रमण के मामलों में लगातार गिरावट जारी है। पिछले २४ घंटे में देश में कोविड–१६ संक्रमण के ५८,०७७ नए मामले सामने आए हैं, जिसके बाद कुल मामलों की संख्या अब ४२,५३६,१३७ हो गई है। वहीं, देश में अभी भी ६६७,८०२ सक्रिय मामले मौजूद हैं। देश में पिछले २४ घंटों में १५०,४०७ लोग कोविड–१६ संक्रमण से ठीक हुए हैं, जिसके बाद इस बीमारी से कुल ठीक हुए मरीजों का आंकड़ा ४१,३३१,१५८ हो गया है। हालांकि, ६५७ लोगों की कोरोना संक्रमण से मौत भी हुई। ऐसे में अब मरने वालों का आंकड़ा ५ लाख ०७ हजार १७७ हो गया है।

इस दौरान दैनिक पॉजिटिविटी

रेट ३.८६ रहा, जोकि गुरुवार के मुकाबले कम रहा।

पिछले २४ घंटे में ४८,१८,८६७ लोगों का वैक्सीनेशन हुआ है, जिसके बाद अब कुल वैक्सीनेशन का आंकड़ा १,७१,७६,५१,४३२ हो गया है। बता दें कि गुरुवार को कोविड–१६ के ६७,०८४ नए मामले सामने आए हैं, जिसके बाद कुल मामलों का आंकड़ा ४,२४,७८,०६० हो गया था। इसके अलावा गुरुवार को १,२४१ लोगों की कोरोना से मौत हुई थी, जिसके बाद कुल मौतों की संख्या ५ लाख ०६ हजार ५२० हो गई थी। यही नहीं, कल भारत में १,६७,८८२ ऐसे भी रहे जो इस बीमारी से ठीक भी हुए। गुरुवार को सक्रिय मामलों का आंकड़ा ७,६०,७८६ हो गया था, जबकि दैनिक पॉजिटिविटी रेट ४.४४ प्रतिशत था। हालांकि, गुरुवार के मुकाबले आज दैनिक पॉजिटिविटी रेट कम रहा। पिछले कुछ दिनों से कोविड–१६ के नए केस में लगातार गिरावट दर्ज की जा रही है। पिछले २४ घंटों में ४८.१८ लाख से अधिक वैक्सीन खुराक के साथ भारत का टीकाकरण कवरेज आज सुबह ७ बजे तक १७१.७६ करोड़ (१,७१,७६,५१,४३२) से अधिक हो गया है।

दून वैली मेल

संपादकीय

दिशा भ्रमित राजनीति का दौर

इसे आप चाहे तो नए दौर की राजनीति का नया मिजाज भी कह सकते हैं कि जब भी देश में कोई चुनाव होता है तो उसकी शुरुआत आम जनता से जुड़े मुद्दों से ही होती है लेकिन चुनाव प्रचार के अंतिम दिनों तक यह मुद्दे पूरी तरह से गायब हो जाते हैं और चुनाव धार्मिक और जातीय सांप्रदायिकता पर केंद्रित होकर रह जाता है। बीते कुछ सालों में देश में जिस तेजी से महंगाई और बेरोजगारी बढ़ी है तथा गरीबी बढ़ी है वह देश की सबसे बड़ी समस्या है। कारण चाहे महामारी हो, नोटबंदी हो या फिर जीएसटी, लेकिन बीते 2 सालों के हालात ने देश के 23 करोड़ों लोगों को गरीबी की भट्टी में झौंक दिया है। यह वह लोग थे जो गरीबी की रेखा से ऊपर आने का प्रयास कर रहे थे। अभी उत्तर प्रदेश के एक व्यवसाई के आत्महत्या का वीडियो वायरल हुआ था जिसमें वह मौत से पहले देश की सरकार और मोदी के बारे में भला बुरा कह रहा था। अपनी व्यवसायिक और आर्थिक तंगी के कारण अपनी पत्नी के साथ आत्महत्या का यह मामला किसी का भी दिल दहलाने वाला था। गृह राज्य मंत्री ने अभी राज्यसभा में एक सवाल का जवाब देते हुए बताया कि बीते 3 सालों में कर्ज और बेरोजगारी के कारण 25 लोगों ने आत्महत्या की है। 2020 यानी कि बीते साल में सिर्फ बेरोजगारी से परेशान होकर 3548 युवाओं ने अपनी जान दी है। सवाल यह है कि प्रधानमंत्री मोदी किस आत्मनिर्भर भारत की बात करते हैं जहां किसान और नौजवान और गरीबी से बेहाल लोग आत्महत्याओं पर विवश हैं। सरकार जिन स्टार्टअप, मेक इन इंडिया व लोकल फार वोकल और डिजिटल इंडिया जैसे कामों से हिंदुस्तान को आत्मनिर्भर बनाने की बात कहती है उससे क्या देश की गरीबी और बेरोजगारी की समस्या का समाधान संभव है? चुनाव के दौरान इन दिनों भाजपा को जो टाइटल सॉन्ग सुनाई दे रहा है वह है 'जो राम को लाए हैं हम उनको लाएंगे' टीवी चैनलों पर जो डिवेट सुनाई दे रही है वह हिजाब पर सियासी हिसाब जैसे मुद्दे हैं। अयोध्या, काशी और मथुरा या फिर चार धाम जैसे मुद्दे नेताओं की चुनावी सभाओं में सुनाई दे रहे हैं। इसके अतिरिक्त अगर कुछ सुनाई दे रहा है तो वह बिजली मुफ्त, पानी मुफ्त, राशन या मोबाइल मुफ्त। गरीबी और बेरोजगारी तथा महंगाई पर कोई कुछ बोलने को तैयार नहीं होता है। पीएम मोदी का कहना है कि भारत में महंगाई दर तो 5 फीसदी के आसपास है जबकि अमेरिका में 1.5 फीसदी है। प्रधानमंत्री लेकिन इस बात को भूल जाते हैं कि अमेरिका में गरीबी कितनी है भारत के साथ अमेरिका की तुलना कितनी सही है। विपक्षी नेता राहुल गांधी की बात को भले ही सत्ता में बैठे लोग हंसी में उड़ा रहे हो लेकिन जिस तरह से देश में मुट्ठी भर अमीर और अमीर हो रहे है तथा गरीब और अधिक गरीब होते जा रहे हैं क्या यह हिंदुस्तान में बन रहे दो हिंदुस्तान नहीं है। क्या देश में बिगड़ता सामाजिक व आर्थिक संतुलन एक बड़ी समस्या नहीं है। सही मायने में वर्तमान की राजनीति का यह एक भ्रामक काल है दिशा भ्रमित राजनीति का यह दौर देश व देशवासियों के लिए बड़ी चिंता का विषय है।

बचपने बिन बचपन

साधना वैद

समस्या गंभीर है और गंभीर परिणाम भुगतने पड़ सकते हैं। ऐसा क्यों है कि बच्चों में मासूमियत और बचपना गुम होता जा रहा है। समस्या का सबसे पहला कारण है संयुक्त परिवारों का टूटना। पहले जब समाज की बुनियाद संयुक्त परिवार पर टिकी हुई थी बच्चों के सामने कभी अकेले रहने की समस्या ही नहीं आती थी। दादी, बाबा की कहानियां सुनते उनके साथ बोलते-बतियाते बच्चे सदैव प्रसन्न रहते और उनके अन्दर सामाजिकता और सद्गुणों का खूब विकास होता। दादी-नानी कहानियों के साथ-साथ खूब पहेलियां भी पूछतीं, जिनसे बच्चों का बौद्धिक विकास भी होता और मनोरंजन भी। लेकिन संयुक्त परिवारों के टूटने से अब यह सब कहां? बच्चों को घर में खुल कर हंसते-चहकते हुए देखना अब बहुत ही विरल वस्तु हो गयी है। दरअसल, माता-पिता बच्चों की सुरक्षा के प्रति इतने सचेत हो गए हैं कि अब पार्क में खेलने वाले बच्चों के समूह कम ही देखने को मिलते हैं। इसकी भरपाई के रूप में माता-पिता उन्हें वीडियो गेम्स दिला देते हैं या महंगे वाले मोबाइल फोन दिला देते हैं। इससे बच्चे एकान्तप्रिय होते जाते हैं। एक तो वैसे ही आजकल के बच्चे अकेले रहना पसंद करने लगे हैं उस पर कोरोना की इस आपदा ने बच्चों को बिल्कुल अकेला कर दिया। जब इतनी छोटी-सी उम्र में बच्चे ऐसी वर्जित बातों की तरफ आकृष्ट होने लगेंगे तो उनमें बचपना, मासूमियत और भोलापन कहां रह जाएगा। बच्चों में सुसाहित्य के प्रति कम होती रुचि भी इसका एक बड़ा कारण है। बच्चों की पत्रिकाएं अब कहां इतनी लोकप्रिय रह गयी हैं। हमारे समय में नंदन, चंपक, पराग जैसी कई पत्रिकाएं आती थीं, जिसमें मनोरंजन, ज्ञान आदि सब कुछ होता था। आज या तो बच्चों की पत्रिकाएं आती ही नहीं, आती हैं तो मां-बाप के साथ-साथ बच्चों का भी उनके प्रति कोई लगाव नहीं हैउधर, मनोरंजन के दूसरे साधन टेलीविजन का भी हाल बुरा है। चैनल तो हजारों हैं, लेकिन ढंग की सामग्री गिने-चुने ही देते हैं। टेलीविजन पर भी ज्यादातर सीरियल बेतुके आते हैं। ऊटपटांग डायलॉग और अजीब-सा पारिवारिक माहौल दिखाया जाता है इन सीरियल्स में।

सरकार बनने पर उत्तराखंड के गरीब परिवारों को आर्थिक सहायता देगी कांग्रेस

कार्यालय संवाददाता

देहरादून। उत्तराखंड में होने जा रहे विधानसभा चुनाव से पहले कॉंग्रेस पार्टी ने राज्य की जनता के हित को ध्यान में रखते हुए बड़ा ऐलान किया है।

कॉंग्रेस पार्टी के राष्ट्रीय प्रवक्ता गौरव वल्लभ ने देहरादून में कहा कि उत्तराखंड में कॉंग्रेस पार्टी की सरकार बनने पर राज्य में गरीबी रेखा के नीचे जीवन यापन करने वाले ५ लाख परिवारों को ४०००० रुपये प्रतिवर्ष न्याय स्वावलंबन राशि के तौर पर प्रदान किये जाएंगे।

उन्होंने ने कहा कि उत्तराखंड में महंगाई दर में ३० प्रतिशत बढोतरी हुई है जो कि देश की महंगाई दर से अधिक है। यदि उत्तराखंड में पेट्रोल–डीजल, रसोई गैस, खाद्य पदार्थ एवँ सरसों के तेल आदि जरूरत की चीजों की ही बात की जाए के इनके दामों में लगभग १०० प्रतिशत तक इज़ाफ़ा हुआ है।

गौरव वल्लभ ने कहा कि पिछले पांच सालों में उत्तराखंड में बेरोजगारी भी काफी तेजी से बढ़ी है, वर्ष २०२१ में यह ३० प्रतिशत के पास है जो की पूरे देश की तुलना में कही अधिक है

उन्होंने बड़ा ऐलान करते हुए कहा कि उत्तराखंड में कॉंग्रेस की सरकार आने पर न्याय स्वावलंबन योजना के तहत ५ लाख परिवार, जो कि पिछले पांच वर्षों में उपेक्षित होकर गरीबी रेखा के नीचे जीवन यापन करने को विवश हैं उन्हें लाभ पंहुचाया जाएगा।

उन्होंने एक आंकड़ा पेश करते हुए कहा कि यदि उत्तराखंड के ५ लाख परिवारों को ४० हज़ार रुपये दिए जाते हैं तो इन संख्याओं को गुणा करने पर दो हज़ार करोड़ रुपये खर्च प्रतिवर्ष आता है।

यदि आसान शब्दों में कहा जाए तो उत्तराखंड के प्रत्येक चौथे परिवार को न्याय स्वावलंबन योजना के तहत लाभ पंहुचेगा।

राष्ट्रीय प्रवक्ता गौरव वल्लभ ने कहा कि इस महत्वपूर्ण योजना के लिए उत्तराखंड के पूरे बजट का साढ़े तीन प्रतिशत उपयोग में लाया जाएगा जो कि राज्य से तेजी से हो रहे पलायन को रोकने में कारगर साबित होगा, साथ ही रोजगार के नए अवसर उतपन्न करने में सहायक होगा।

उन्होंने बड़ा ऐलान करते हुए कहा कि कॉंग्रेस की सरकार के आने पर चार धाम चार काम के नाम से एक विभाग का गठन किया जाएगा, जो सरकार के कैबिनेट मंत्री की निगरानी में कार्य करेगा। साथ ही राज्य में गरीबी रेखा के नीचे जीवन यापन करने वाले ५ लाख परिवारों का जिम्मा भी कॉंग्रेस सरकार के इसी विभाग की देख रेख में होगा।

चुनाव से ठीक पहले कॉंग्रेस पार्टी के इस ऐलान से ये साफ जाहिर हो रहा है कि उसे राज्य की आम जनता की तकलीफों एवँ प्रदेश के मूल मुद्दों की कितनी फिक्र है। जो अन्य दल नहीं कर पाए वो कॉंग्रेस की सरकार उत्तराखंड के हित के लिए करने का दावा कर रही है।

कांग्रेस को बदनाम करने वालों के खिलाफ दी थाने में तहरीर

संवाददाता

उत्तरकाशी। उत्तराखंड कांग्रेस कमेटी के यमनोत्री विधानसभा प्रभारी अभिनव थापर ने कहा कि कांग्रेस प्रत्याशी दीपक बिजल्वाण की लहर को देख चुनाव में इस बार असामाजिक तत्वों के द्वारा अफवाह फैलाई जा रही है, जिससे आम मतदाताओं को भ्रमित करने का प्रयास किया जा रहा है।

उन्होने बताया कि ऐसा ही एक मामला यमुनोत्री विधानसभा क्षेत्र में प्रकाश में आया है। जिसमे कांग्रेस प्रदेश महासचिव एवं नगरपालिका बड़कोट के

पूर्व चेयरमैन अतोल सिंह रावत का पुराना वीडियो एडिट करके असामाजिक तत्वों ने वायरल किया है। जिसमें कहा गया है कि कांग्रेस पार्टी के उम्मीदवार दीपक बिजल्वाण के खिलाफ बोल रहे हैं। वीडियो वायरल होने के बाद कांग्रेस प्रदेश महासचिव अतोल सिंह रावत ने यमुनोत्री विधानसभा के प्रभारी अभिनव थापर से चर्चा कर अवगत कराया कि यह पुराना वीडियो है और यह एडिट किया गया है। जब दीपक बिजल्वाण ने कांग्रेस ज्वॉइन नहीं की थी, किन्तु आज वह कांग्रेस के अधिकृत प्रत्याशी दीपक बिजल्वाण के पक्ष में काम कर रहे है। इस मामले में प्रभारी अभिनव थापर के नेतृत्व में अतोल सिंह रावत सहित कांग्रेसियों ने पुलिस थाने बड़कोट, उत्तरकाशी ने तहरीर दी और कड़ी कानूनी कार्यवाही करने की मांग करी। इस मौके पर अभिनव थापर के साथ अतोल सिंह रावत, विजयपाल रावत, जनमेजय पंवार, जगजीत रौतेला, आदि कई लोग मौजद रहे।

अक्षो न चक्र्योः शूर बृहन्न्र ते मह्ना रिरिचे रोदस्योः।।
वृक्षस्य नु ते पुरुहूत वया व्यूतयो रुरुहुरिन्द्र पूर्वीः।।
(ऋग्वेद ६–२४–३)

हे परमेश्वर ! जिस प्रकार चक्की के दो पाट धूरी से कहीं आगे तक रहते हैं। उसी प्रकार आप की महिमा पृथ्वी और अंतरिक्ष से भी आगे फैली हुई है। आपकी महानता वृक्ष की शाखाओं की तरह चारों ओर फैली हुई हैं। जिससे सब को संरक्षण मिलता है।

O God ! Just as, the two wheels of an Atta Chakki (mill) stay far beyond the axis. In the same way, Your glory extends far beyond the boundaries of earth and space. Your greatness spread in all directions like the branches of a tree. You protect everyone. (Rig Veda 6-24-3)

लाखों रुपये की साइबर ठगी के दो ओर मामले दर्ज

संवाददाता

देहरादून। लाखों रूपये की साइबर ठगी के दो ओर मामले पुलिस ने दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

प्राप्त जानकारी के अनुसार नयागांव नवादा निवासी निसार अहमद ने नेहरू कालोनी थाने में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि उसके फोन पर कॉल आयी और काल करने वाले ने अपने आपको एसबीआई बैंक का कर्मचारी बताकर उससे एनी डेस्क एप डाउनलोड करने की बात कही जैसे ही उसने एप डाउनलोड किया तो उसके खाते से एक लाख चार हजार रूपये गायब हो गयी। इसी प्रकार जीएमएस रोड निवासी विनय कुमार के पास भी कॉल आयी उसको भी क्यूक स्पोट ओर एनी डेस्क एप डाउनलोड करने को कहा गया उसने जैसे ही डाउनलोड किया उसके खाते से तीन लाख चालीस हजार रूपये गायब हो गये। पुलिस ने दोनों मुकदमे दर्ज जांच शुरू कर दी।

कार में रखे मोबाइल चोरी

संवाददाता

देहरादून। चोरों ने कार में रखे दो मोबाइल फोन चोरी कर लिये। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी। प्राप्त जानकारी के अनुसार ठाकुरपुर निवासी रोहित कश्यप ने प्रेमनगर थाने में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि उसने अपनी कार घर के बाहर खडी की थी तथा कार के अन्दर उसके दो मोबाइल फोन रखे थे जब वह थोडी देर बाद वापस आया तो उसने देखा कि उसके मोबाइल फोन कार से गायब थे। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

घर के बाहर खड़ी मोटरसाईकिल चोरी

संवाददाता

देहरादून। चोरो ने घर के बाहर खडी मोटरसाईकिल चोरी कर ली। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी। प्राप्त जानकारी के अनुसार बालावाला निवासी मेहरबान सिंह रावत ने रायपुर थाने में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि उसने अपनी मोटरसाईकिल घर के बाहर खडी की थी। लेकिन जब वह थोडी देर घर से बाहर आया तो उसने देखा कि उसकी मोटरसाईकिल अपने स्थान से गायब थी। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

शांतिपूर्ण और निर्भीक मतदान को निकाला फ्लैग मार्च

चमोली (आरएनएस)। विधान सभा चुनाव में निर्भीक होकर मतदान के संदेश के लिये पुलिस ने अर्ध सैनिक बलों के साथ जिले के विभिन्न स्थानों पर फ्लैग मार्च निकाला। पुलिस अधीक्षक श्वेता चौबे के दिशा–निर्देशन में गुरुवार को कर्णप्रयाग, जोशीमठ और चमोली में पुलिस ने अर्धसैनिक बलों के साथ फ्लैग मार्च कर आम मतदाताओं से बिना किसी के दबाव में आये हुए भयमुक्त एवं निष्पक्ष होकर अधिक से अधिक मतदान करने की अपील की। एसपी ने कहा कि आदर्श आचार संहिता का पालन कर सुदृढ़ लोकतंत्र के लिये मतदान अवश्य करना चाहिये ।

चुनाव के चलते अब घटने लगी कोरोना जांच

बागेश्वर (आरएनएस)। जिले में इन दिनों कोरोना की जांच घटने लगी है। इससे रोगियों की संख्या में भी कमी आने लगी है। एक सप्ताह पहले तक जहां ५०० से ८०० लोगों की जांच हो रही थी, अब घटकर ३०० से ४०० तक हो रही है। इसी तरह रोजाना १०० से अधिक कोरोना मरीज निकल रहे थे। दो दिन से २५ से नीचे मरीज आ रहे हैं, जबकि चुनाव के चलते महानगरों से भी लोग जिले में आ रहे हैं। ऐसे में एक बार फिर कोरोना बम फूटने का खतरा बना हुआ है। लोगों ने स्वास्थ्य विभाग से बाहर से आने वाले हर व्यक्ति की आरटीपीसीआर जांच कराने की मांग की है। इधर सीएमओ डॉ। सुनीता टम्टा ने बताया कि जिले दो बोर्डरों में नियमित जांच हो रही है। साथ ही पुलिस भी बाहर से आने वालों को चेक कर रही है।

बालिकाओं को दी कॅरियर की जानकारी

बागेश्वर (आरएनएस)। कॅरियर मार्गदर्शन एवं परामर्श प्रकोष्ठ के तत्वाधान में राइंका मंडलसेरा में करियर एवं गाइडेंस कार्यक्रम आयोजित किया। इस दौरान बालिकाओं को विविध जानकारियां दी गई। विद्यालय प्रांगण में आयोजित समारोह में कार्यक्रम समन्वयक इंद्रा धपोला ने ईश वंदना के साथ कार्यक्रम का शुभारंभ किया। प्रधानाचार्य डॉ। केवलानंद कांडपाल ने दीप जलाया। बालिकाओं से अपना विजन स्पष्ट करके मिशन मोड में काम करने को कहा। इंद्रा धपोला ने बालिकाओं के विकास के लिए चलाई जा रही योजनाओं की जानकारी दी। कहा कि बेहतर भविष्य के लिए आवश्यक है कि बालिकाएं रुचि के अनुसार अपने करियर का तलाश करें। इस दौरान निरंजन कुमार चौधरी, नारायण गिरी, खुशहाल सिंह मर्तोलिया, दरवान राम, शिवानंद दुबे, रामकिशन, भवानी जोशी आदि उपस्थित थे। इस दौरान विद्यालय की ७६ बालिकाओं ने जानकारी प्राप्त की।

डीएम ने किया डिस्पैच स्थलों का निरीक्षण

नई टिहरी (आरएनएस)। विधानसभा सामान्य निर्वाचन के सफल बनाने के लिए डीएम नगर पालिका व जिला पंचायत बौराड़ी में प्रत्येक विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र के पोलिंग पार्टियों के डिस्पैच स्थलों का स्थलीय निरीक्षण किया। इस मौके पर डीएम ने पोलिंग पार्टियों की रवानगी के अनुसार सभी व्यवस्थाएं करवाने के निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिए।

डीएम व जिला निर्वाचन अधिकारी इवा आशीष श्रीवास्तव ने कहा कि डिस्पैच स्थलों पर पोलिंग पार्टियों की दी जाने वाली निर्वाचन सामग्री के लिए पर्याप्त टेबल लगाने के साथ ही उपस्थिति टेबल, हैल्प डेस्क लगाना सुनिश्चित करें। उन्होंने डिस्पैच स्थलों पर साफ–सफाई की व्यवस्था, रिजर्व पोलिंग पार्टियों के लिए अलग से बैठने की व्यवस्था, भोजन आदि व्यवस्थाएं करवाने के निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिए। साथ ही कार्मिकों की सुविधा के लिए प्रत्येक विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र का बैनर, निर्वाचन सामाग्री से संबंधित पोस्टर लगाने को भी कहा। इस मौके पर उप जिला निर्वाचन अधिकारी रामजी शरण शर्मा, रिटर्निंग ऑफिसर टिहरी अपूर्वा सिंह, धनोल्टी लक्ष्मीराज चौहान, एएमए जिला पंचायत संजय खण्डूड़ी आदि मौजूद रहे।

आखिर क्यों ठगे जा रहे हैं पढ़े लिखे युवा ?

संवाददाता

देहरादून। साईबर ठगी के शिकार अधिकांश पढे लिखे युवा ही हो रहे हैं और वह अपने खाते से सम्बन्धित जानकारी भी सांझा कर रहे हैं। आये दिन होने वाली ऐसी घटनाओं से अभी तक किसी ने कोई सबक नहीं लिया जोकि काफी चिन्ता का विषय है।

ऑनलाईन ठगी के मामलों में आये दिन होने वाले इजाफे को देखते हुए पुलिस मुख्यालय ने ऐसे ठगों पर नकेल कसने के लिए साईबर थाना खोलने की पेशकश शासन में रखी और शासन की अनुमति के बाद दून में साईबर थाना खोला गया। साइबर थाने में अधिकांश मामले मोबाइल से ठगी के आने शुरू हो गये। कोई कहने लगा कि उसके फोन पर कॉल आयी और कॉल करने वाले ने स्वंय को बैंक अधिकारी बताया और उसके खाते ही डिटेल मांगी और उसने डिटेल दे दी और उसके बाद उसके खाते से रूपये निकल गये तो कोई कहता है कि उसका परिचित बनकर उससे पेटीएम डाउनलोड कराकर उसके खाते से रूपये निकाल लिये जाते हैं। कई मामलो में तो कस्टम को अधिकारी बनकर उसका विदेश से तोहफा आया है इस बात का भी लालच देकर कस्टम डयूटी के नाम पर रूपया खातों में डलवाने की बात करते हैं और वह खातों में पैसा डाल भी देते है और बाद में पुलिस के पास पहुंचकर बताते हैं कि उनके साथ ठगी हो गयी है। ऐसे दर्जनों मामले साइबर थाने में आने लगे कई मामलों में पुलिस की तत्परता के चलते पीडित को रूपया वापस भी मिल गया। लेकिन कई मामलों पर ठगों का नेटवर्क तेज निकला और वह रूपये लेकर चंपत हो गये। कई मामलों में पुलिस द्वारा बाहरी प्रदेशों में जाकर ठगों को पकडा भी गया। लेकिन साइबर ठगों का नेटवर्क बहुत बडा है यह नाइजीरिया से लेकर ब्रिटेन तक फैला है। अब यहां सोचने वाली बात है कि कई बार पुलिस ने भी जनता को अपना कोर्ड किसी को नहीं बताने के लिए जागरूक किया तो वहीं बैंक भी समय–समय पर खाताधारक के फोन पर इस प्रकार के मैसेज भेजता रहता है कि बैंक का कोई भी अधिकारी व कर्मचारी आपके खाते के बारे में जानकारी नहीं म ंगता है तथा किसी से इसको शेयर नहीं करना चाहिए। उसके बावजूद भी पढा लिखा युवा अपने खाते से सम्बन्धित जानकारी क्यों दूसरे को देते हैं इस बात का पुलिस भी नही समझ पायी है। यह चिन्ता का विषय है।

जमीन के नाम पर कोतवाल से ठगे लाखों रूपये

देहरादून (सं)। जमीन के नाम पर चम्पावत के कोतवाल से लाखों रूपये ठगने के मामले में पुलिस ने पति–पत्नी सहित तीन के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी। प्राप्त जानकारी के अनुसार थाना प्रभारी कोतवाली चम्पावत शांति कुमार ने नगर कोतवाली में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि उसकी पहचान जीएमएस रोड निवासी राजपाल सिंह से हुई तथा उसने राजपाल से देहरादून में जमीन लेने की इच्छा जाहिर की तो राजपाल ने उसको एक जमीन दिखायी तथा सौदा तय होने पर राजपाल व उसकी पत्नी पदमा व बेटे अंकित ने कोर्ट में उसके साथ एर्गीमेंट कर उससे 2 लाख 59 हजार रूपये ले लिये। बाद में जब वह बतायी गयी जमीन पर गया तो वह किसी अन्य की निकली। राजपाल ने उसको फर्जी पावर ऑफ अटर्नी तैयार कर उसको वह दिखायी और उससे रूपये ठग लिये। जबकि वह जमीन किसी अन्य व्यक्ति की थी।

कई कांग्रेसी नेता हुए आप में शामिल

संवाददाता

देहरादून। डोईवाला में कांग्रेसी कार्यकर्ताओं ने आम आदमी पार्टी की सदस्यता ली। आज यहां आम आदमी पार्टी के प्रदेश उपाध्यक्ष आजाद अली तथा डोईवाला विधानसभा विधायक प्रत्याशी राजू मौर्य के नेतृत्व में कांग्रेस नेताओं ने विधिवत रूप आम आदमी पार्टी की सदस्यता ली। तेलीवाला में आयोजित जनसभा में मुख्य अतिथि के रुप में आम आदमी पार्टी के प्रदेश उपाध्यक्ष आजाद अली पहुंचे जहां उनका पार्टी कार्यकर्ताओं ने फूल मालाओं से जोरदार स्वागत किया। इस मौके पर काफी संख्या में ग्रामवासी मौजूद थे। सभी ने एक स्वर में आम आदमी पार्टी के प्रत्याशी राजू मौर्य केतन को अपना समर्थन देते हुए डोईवाला में आम आदमी पार्टी की जीत का संकल्प लिया।

इस मौके पर कमेटी के अध्यक्ष राजेश शर्मा, भजन सिंह प्यारा सिंह, अथतर अली, जसवीर सिंह, मुकेश पांडे, बलदेव सिंह, रणजीत राणा, पुरुषोत्तम, कश्मीरी लाल, विजय पाठक, सागर होंडा, एस रावत, जोगिंदर सिंह, बबीता कढ़वाल, नीरज कुमार, अय्यूब अली, जैगुआर कुमार आदि मौजूद थे।

14 पेटी अंग्रेजी शराब सहित तस्कर दबोचा

हमारे संवाददाता

उत्तरकाशी। विधानसभा चुनावों के चलते की जा रही चैकिंग के दौरान पुलिस ने 14 पेटी शराब सहित एक तस्कर को गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी के कब्जे से पुलिस ने तस्करी में प्रयुक्त वाहन भी बरामद किया है।

जानकारी के अनुसार आज सुबह थाना धरासू पुलिस व एफएसवाई टीम द्वारा क्षेत्र में सयुंक्त चैकिंग अभियान चलाया जा रहा था। इस दौरान ब्रहमखाल क्षेत्रांर्तगत महरगांव के समीप टीम को एक संदिग्ध मैक्स वाहन आता हुआ दिखायी दिया। टीम द्वारा जब उसे रोककर तलाशी ली गयी तो उसमें रखी 14 पेटी

अंग्रेजी शराब बरामद हुई। थाने लाकर की गयी पूछताछ में चालक द्वारा अपना नाम रामस्वरुप अवस्थी पुत्र पीताम्बर दत्त निवासी ग्राम पुजारगांव उत्तरकाशी बताया गया। पुलिस ने उसे आबकारी अधि नियम के तहत गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश कर दिया है साथ ही तस्करी में प्रयुक्त वाहन भी सीज किया गया है।

त्वचा को स्वस्थ और चमकदार बनाने में मददगार हैं केमिकल पील फेस मास्क

स्वास्थ्य के साथ-साथ त्वचा का भी ध्यान रखना जरूरी है क्योंकि अगर इसे लेकर कोई भी लापरवाही बरती जाए तो आपको कई तरह की समस्याओं का सामना करना पड़ सकता है। त्वचा को स्वस्थ और चमकदार बनाने में केमिकल पील फेस मास्क काफी मदद कर सकते हैं क्योंकि यह डेड स्किन सेल्स, मुंहासों के निशान, झुर्रियां और हाइपरपिग्मेंटेशन आदि से राहत दिला सकता है। आइए आज पांच तरह के केमिकल पील फेस मास्क बनाने और लगाने के तरीके जानते हैं।

केमिकल पील फेस मास्क किसी केमिकल से बनने वाला कोई फेस मास्क नहीं है बल्कि यह घरेलू चीजों से बनाया जाने वाला पील फेस मास्क है, जिसके इस्तेमाल से त्वचा से डेड स्किन सेल्स हटाने, फाइन लाइन्स और हाइपरपिग्मेंटेशन आदि से छुटकारा मिल सकता है।

झुर्रियों से राहत पाने के लिए अंडे और खीरे का बनाएं पील फेस मास्क

इसे बनाने के लिए पहले एक कटोरी में एक अंडे का सफेद भाग और आधा कप बीज रहित खीरे के पेस्ट के साथ फेंट लें, फिर इसमें एक चम्मच नींबू का रस मिलाएं। अब इस मिश्रण को साफ चेहरे पर लगाकर 2० मिनट के लिए छोड़ दें। इसके बाद इसे चेहरे से उतारें। यह केमिकल पील फेस मास्क न सिर्फ त्वचा में कोलेजन की मात्रा को बढ़ाकर झुर्रियों को कम करता है बल्कि इसे हाइड्रेट करने में भी सहायक है।

रूखी त्वचा के लिए बेहतरीन है एएचए केमिकल पील फेस मास्क

एएचए यानी अल्फा हाइड्रॉक्सी एसिड से युक्त केमिकल पील फेस मास्क, जो रूखी त्वचा को नमी प्रदान करने में मदद कर सकता है। इसे बनाने के लिए सबसे पहले एक कटोरी में एक चौथाई कप गन्ने की चीनी और एक चौथाई कप ग्रीक योगर्ट मिलाएं, फिर इस मिश्रण को साफ चेहरे पर लगाएं और जब यह सूख जाए तो चेहरे को ठंडे पानी से धो लें। यह पील फेस मास्क चेहरे को पोषित करने में भी सहायक है।

तैलीय त्वचा के लिए फायदेमंद है बीएचए केमिकल पील फेस मास्क

बीएचए का मतलब बीटा हाइड्रॉक्सी एसिड है, जिससे युक्त केमिकल पील फेस मास्क त्वचा में सैलिसिलिक एसिड का उत्पादन बढ़ाकर अतिरिक्त तेल को सोखने में मदद कर सकता है। इसे बनाने के लिए पहले एक कटोरी में एक चम्मच बेकिंग सोडा को पानी में मिलाएं, फिर एक अलग कटोरी में नींबू के रस से भिगी एस्पिरिन की 12 गोलियां पीसकर मिलाएं। अब इस मिश्रण को चेहरे पर लगाकर 2० मिनट तक रूकें, फिर चेहरे को ठंडे पानी से धो लें।

मुंहासों के निशान से राहत दिलाने वाला सेब के सिरके का पील फेस मास्क

सेब का सिरका कई ऐसे गुणों से समृद्ध होता है, जो डेड स्किन सेल्स को हटाकर मुंहासे के निशान को कम करने में मदद कर सकते हैं। इसका केमिकल पील फेस मास्क बनाने के लिए सबसे पहले एक कटोरी में एक चम्मच शुद्ध सेब के सिरके को एक छोटी चम्मच एप्पल सॉस के साथ मिलाएं। अब इस मिश्रण को साफ चेहरे पर लगाकर 15 मिनट के लिए छोड़ दें। इसके बाद चेहरे को गुनगुने पानी से धो लें। (आरएनएस)

साड़ी लुक को मॉडर्न बनाने के लिए ट्राई करें पेपलम ब्लाउज

आजकल एथनिक वियर को भी मॉडर्न तरीके से कैरी करने का फैशन है. ऐसे में पेपलम ब्लाउज आपके लिए बेस्ट हैं. इनको साड़ी या लहंगे के साथ आसानी से कैरी किया जा सकता है. ये देखने में बहुत स्टाइलिश लगते हैं.

साड़ी को मॉडर्न लुक देने के लिए आजकल पेपलम ब्लाउज काफी पसंद किया जा रहा है. इसमें कमर या उसके आस पास के हिस्से पर फ्रिल या झालर का प्रयोग किया जाता है. लंबाई में ये सामान्य ब्लाउज से थोड़े लंबे होते हैं.

पेपलम ब्लाउज को सिर्फ साड़ी ही नहीं बल्कि लहंगे के साथ भी पहना जा सकता है. ये देखने में काफी स्टाइलिश लगते हैं और आपको दूसरों से अलग लुक देते हैं.

नॉर्मल ब्लाउज की तरह आप पेपलम ब्लाउज के डिजायन में भी काफी एक्सपेरिमेंट कर सकती हैं. इसके गले और बाजुओं को पसंदीदा डिजायन में बनवा सकती हैं.

क्रॉस पैटर्न के साथ वी नेक के पेपलम ब्लाउज किसी भी लहंगे या साड़ी पर बहुत यूनिक लुक देते हैं. आप शॉर्ट नेक गले पर कारीगरी वाला ब्लाउज किसी सिंपल साड़ी या लहंगे पर भी पहन सकती हैं. ये भी अपने आप में बेहद खूबसूरत लुक देगा.

वैधानिक सूचना

सुविज्ञ पाठकों से आग्रह है कि इस समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन में दिए गए तथ्यों, शर्तों और दावों के प्रति वह खुद भी आश्वस्त हो लें। पाठकों से आग्रह है कि वह प्रकाशित विज्ञापन से प्रभावित होकर कोई कदम उठाने से पहले अपने स्तर पर भी स्वयं के संतुष्ट होने तक संपूर्ण व्यावहारिक जानकारी कर लें। भविष्य में किसी भी प्रकाशित विज्ञापन में निहित दावों या शर्तों को लेकर पाठकगण को कोई असुविधा या परेशानी होती है तो *सांध्य दैनिक दून वैली मेल* के मुद्रक, प्रकाशक या सम्पादक की कोई जवाबदेही नहीं होगी।

–प्रबंधक विज्ञापन

टमाटर की चटनी को स्टोर करने के लिए अपनाएं ये तरीके

कई लोग टमाटर की ढेर सारी चटनी बनाकर रख लेते हैं लेकिन वह जल्दी खराब हो जाती है। अगर आपके साथ भी ऐसा होता है तो आप परेशान न हो क्योंकि आज हम टमाटर की चटनी को लंबे समय तक स्टोर करने के कुछ आसान तरीके बताने जा रहे हैं।

एयर टाइट कंटनेर का करें इस्तेमाल

टमाटर की चटनी को एयर टाइट कंटेनर में स्टोर करना एक अच्छा विकल्प साबित हो सकता है। दरअसल, हवा भी टमाटर की चटनी को खराब करने का कारण बन सकती है क्योंकि हवा में मौजूद बैक्टीरिया खाने को दूषित करते हैं, जिसकी वजह से टमाटर की चटनी जैसी खाने की कई चीजें जल्दी खराब हो जाती हैं। इसलिए टमाटर की चटनी को हमेशा एयर टाइट कंटेनर में ही स्टोर करना बेहतरीन है।

फ्रिज में करें स्टोर

टमाटर की चटनी को खराब होने से बचाने के लिए फ्रिज में रखना बेहतर है। इसके लिए पहले आप टमाटर की चटनी को एक डिब्बे में डाले, फिर डिब्बे को फ्रिज में रख दें, ऐसा करने से चटनी जल्दी खराब नही होगी। हालांकि, ध्यान रहे कि टमाटर की चटनी को डिब्बे में रखकर फ्रिज ऑन रखना है। इस तरीके को अपनाने के बाद आप लगभग एक से दो महीने तक चटनी को स्टोर कर सकते हैं।

शीशे के जार में रखें

अगर आप चाहें तो टमाटर की चटनी को स्टोर करने के लिए शीशे के जार का भी इस्तेमाल कर सकते हैं। बस टमाटर की चटनी को शीशे के जार में रखकर किसी ठंडी जगह पर रखें और जब भी चटनी को जार से निकालें तो तुरंत ही उसे बंद कर दे ताकि उस पर हवा न लगे। वहीं, चटनी निकालते समय सूखे चम्मच का इस्तेमाल करें। इस तरह आप महीने भर तक टमाटर की चटनी का इस्तेमाल कर सकते हैं।

ब्लश की बजाय अपनाएं ये घरेलू नुस्खे, प्राकृतिक तरीके से गाल हो जाएंगे गुलाबी

अमूमन महिलाएं गालों को गुलाबी करने के लिए ब्लश या फिर लिपबाम को लगा लेती हैं, लेकिन ये मेकअप प्रोडक्ट्स केमिकल्स होते हैं, जिससे गालों को नुकसान भी पहुंच सकता है। अगर आप भी ऐसा ही कुछ करती हैं तो आज से ऐसा करना छोड़ दें। आइए आज हम आपको कुछ ऐसे घरेलू नुस्खे बताते हैं, जिन्हें अपनाकर आप अपने गालों को प्राकृतिक और सुरक्षित तरीके से गुलाबी कर सकती हैं।

नारियल का तेल लगाएं

नारियल के तेल में हाइड्रेटिंग और मॉइश्चराइजिंग गुण मौजूद होते हैं, जो गालों को प्राकृतिक तरीके से गुलाबी करने में मदद कर सकते हैं। इसके लिए आवश्यकतानुसार नारियल के तेल को हथेलियों पर मसलकर अपने चेहरे और गर्दन पर हल्के हाथों से मलते हुए लगाएं। इसके बाद टिश्यू पेपर से चेहरे और गर्दन से अतिरिक्त नारियल तेल को साफ कर दें। अच्छे परिणामस्वरूप हफ्ते में दो बार इस प्रक्रिया को दोहराएं।

चुकंदर आएगा काम

चुकंदर प्राकृतिक रूप से गहरे गुलाबी रंग का होता है, इसलिए इसकी मदद से गालों को गुलाबी किया जा सकता है। इसके लिए एक छोटे कंटेनर में एक चुकंदर (कद्दूकस किया हुआ), एक चम्मच चीनी और एक से दो चम्मच पानी या गुलाबजल डालकर मिलाएं, फिर इस मिश्रण से कुछ देर गालों को स्क्रब करें। इसके बाद चेहरे को पानी से धो लें। इसके अतिरिक्त, गुलाबी गाल पाने के लिए रोजाना एक गिलास चुकंदर का जूस भी पिएं।

गाजर का जूस करेगा मदद

गाजर का जूस विटामिन- सी और एंटी-ऑक्सीडेंट गुण से समृद्ध होता है, जो शरीर कोई स्वास्थ्य लाभ देने के साथ ही त्वचा को ग्लोइंग और गालो को गुलाबी बनाने में मदद कर सकते हैं। इसके लिए एक कटोरी में आवश्यकतानुसार गाजर (कद्दूकस की हुई) और थोड़ा शहद मिलाएं, फिर इस मिश्रण को गालों पर हल्के हाथों से मलें। इसके बाद चेहरे को ठंडे पानी से धो लें। अच्छे परिणामस्वरूप हफ्ते में दो बार इस प्रक्रिया को दोहराएं।

पर्याप्त मात्रा में करें पानी का सेवन

रोजाना पर्याप्त मात्रा में पानी का सेवन कई तरह के त्वचा संबंधित लाभ दे सकता है। गुलाबी गाल पाने के लिए भी पानी का सेवन करना लाभदायक साबित हो सकता है। वहीं, जब आप फटे और रूखे गालों की समस्या का सामना करें तो ढेर सारा पानी पीना शुरु कर दें क्योंकि डिहाइड्रेशन भी फटे और रूखे गालों का एक कारण हो सकता है। पानी का सेवन डिहाइड्रेशन को दूर करके गालों को खूबसूरत बना सकता है। (आरएनएस)

शब्द सामर्थ्य -119

(भागवत साहू)

बाएं से दाएं

1. तकलीफ, कष्ट, कठिनाई, परेशानी 3. सरल, सहज 6. ज्ञान प्राप्त करना, शिक्षा लेना 7. विवश, लाचार 8. अत्यधिक ठंडा, सुस्त 9. अच्छे ढंग में गाया जाने वाला सुंदर गीत 11. सूर्य, सूरज 13. वस्त्र आदि धारण कराना 15. अप्रसन्न, नाखुश 16. खिंचाव, आकर्षण शक्ति (उ.) 18. एक रंग, आसमानी रंग 22. सेवा-सत्कार, आवभगत 23. सर्प, सांप, लकड़ी आदि की मूर्ति बनाना।

ऊपर से नीचे

1. हृदर, उर 2. शिष्टता, भद्रता, विवेक (उ.) 3. अंततः, अंततोगत्वा 4. अच्छी शिक्षा, नेक सलाह 5. आवागमन, गमनागमन 7. पुरुष 8. घोड़े की तेज चाल, तेज गति की दौड़ 10. लूटपाट, डकैती 12. बबार्दी, तबाही 14. नासिका, श्वसनइंद्रीय 17. आखेटक, अरेही 19. योग्य, काबिल 20. कामदेव की पत्नी, प्रेम, आनंद 21. रात्रि, निशा।

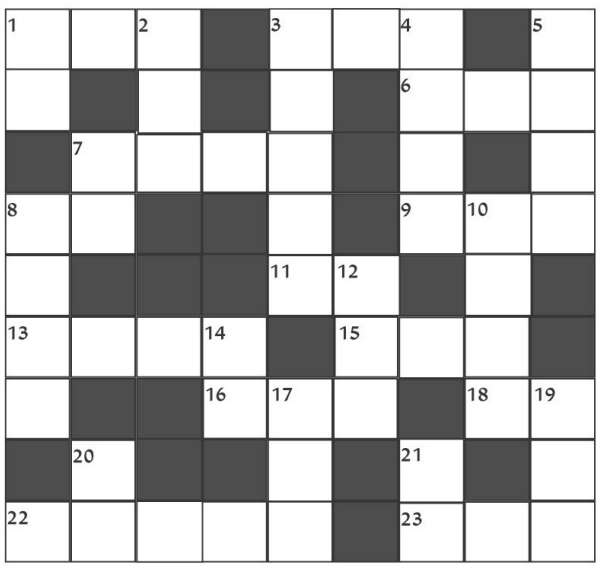

शब्द सामर्थ्य क्रमांक 118 का हल

चु	स्त		मु		सं	स्था	न	
ग		म	र्दा	न	गी		त	म
ली	प	ना			त	न		
	ना	ना					ज	
मा	ह		रा		सा	ज	न	
न		स	ह	दे	व		म	द
व		म		व	न	ज		ल
ता	क	त	व	र		मी		द
	ल	ल	क		क	र	त	ल

बीग बी की स्पोर्ट्स ड्रामा फिल्म झुंड 4 मार्च को सिनेमाघरों में होगी रिलीज

सदी के महानायक अमिताभ बच्चन की फिल्मों का इंतजार दर्शक बेसब्री से करते हैं। भले ही कई दशक उन्होंने इंडस्ट्री में बिता दिए, लेकिन उनकी लोकप्रियता में कोई कमी नहीं आई है। काफी समय से उनकी स्पोर्ट्स ड्रामा फिल्म झुंड बनकर तैयार है। अब इस फिल्म की रिलीज डेट का ऐलान कर दिया गया है। यह फिल्म 4 मार्च को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है। अमिताभ ने खुद सोशल मीडिया पर रिलीज डेट का ऐलान किया है।

अमिताभ ने अपने आधिकारिक ट्विटर हैंडल पर फिल्म की रिलीज डेट से पर्दा उठाया है। उन्होंने अपने ट्विटर पोस्ट में लिखा, इस टोली से मुकाबला करने के लिए रहो तैयार। हमारी टीम आ रही है। झुंड 4 मार्च, 2022 को आपके नजदीकी सिनेमाघरों में रिलीज होगी। साथ ही मेकर्स ने फिल्म का एक पोस्टर भी शेयर किया है, जिसमें अमिताभ अपने हाथों में फुटबॉल थामे हुए दिखे हैं। उनका लुक दर्शकों को लुभा रहा है।

बाकी फिल्मों की तरह कोरोना महामारी के कारण इस फिल्म की रिलीज डेट भी कई बार टली है। फिल्म पहले सितंबर, 2020 में रिलीज होने वाली थी, लेकिन कोरोना के मामलों में वृद्धि के कारण इसे स्थगित कर दिया गया था। इसके बाद मेकर्स ने फिल्म की रिलीज डेट पिछले साल जून में तय की थी। उस वक्त भी फिल्म रिलीज नहीं हो पाई थी। भूषण कुमार की टी-सीरीज ने फिल्म का निर्माण किया है।

सैराट के नागराज मंजुले ने फिल्म का निर्देशन किया है। फिल्म की कहानी फुटबॉलर अखिलेश पॉल की जिंदगी पद आधारित है। अखिलेश की जिंदगी तब बदल जाती है, जब वह कोच विजय बर्से से मुलाकात करते हैं। अखिलेश 2010 में ब्राजील होमलेस फुटबॉल वर्ल्ड कप में भारतीय टीम के कप्तान रह चुके हैं। फिल्म में अमिताभ विजय बर्से की भूमिका निभाएंगे। विजय एनजीओ सॉकर स्लम फाउंडेशन के संस्थापक भी हैं। विजय खासतौर पर स्लम के बच्चों को फुटबॉल सिखाते हैं।

अमिताभ की झुंड कानूनी पचड़े में भी फंस गई थी। इस फिल्म पर कॉपीराइट के नियमों का उल्लंघन करने का आरोप लगाया गया था। इसके चलते तेलंगाना हाई कोर्ट ने फिल्म की रिलीज पर रोक लगा दी थी।

मेगास्टार अमिताभ की इस साल कई फिल्में रिलीज हो सकती हैं। अमिताभ हालिया रिलीज हुई फिल्म चेहरे में नजर आए हैं। इस फिल्म के जरिए उन्होंने कोई खास प्रभाव नहीं छोड़ा। अमिताभ को अयान मुखर्जी की ब्रह्मास्त्र में देखा जाएगा। इस फिल्म में आलिया भट्ट और रणबीर कपूर को जोड़ी नजर आएगी। उन्हें राम्या कृष्णन के साथ तेरा यार हूं मैं में भी देखा जाने वाला है। इसके अलावा आंखे 2 में भी वह अहम भूमिका में नजर आएंगे।

डियर जिंदगी के बाद रोहित सराफ और गौरी शिंदे ने फिर मिलाया हाथ?

रोहित सराफ ने बॉलीवुड में एक उभरते हुए कलाकार के रूप में अपनी पहचान बनाई है। उन्होंने मशहूर फिल्म निर्माता गौरी शिंदे की डियर जिंदगी से बड़े पर्दे पर अपना डेब्यू किया था। इस फिल्म के लिए उन्हें अच्छी प्रतिक्रिया भी मिली थी। अब डियर जिंदगी के बाद एक बार फिर रोहित ने गौरी के साथ हाथ मिलाया है। सुनने में आ रहा है कि दोनों किसी खास प्रोजेक्ट के लिए साथ आए हैं।

रिपोर्ट के अनुसार, रोहित फिल्ममेकर गौरी के अगले प्रोजेक्ट में नजर आ सकते हैं। दोनों के साथ काम करने की अटकलें तब तेज हुईं, जब रोहित ने गौरी के साथ अपनी एक तस्वीर इंस्टाग्राम पर शेयर की। साथ ही उन्होंने अपने इंस्टाग्राम स्टोरी में लिखा, आज इस लड़की के साथ शूट किया। 6 साल बाद हम यहां हैं। बता दें कि 6 साल पहले उनकी फिल्म डियर जिंदगी 2016 में आई थी।

अभी कोई आधिकारिक घोषणा नहीं हुई है, लेकिन इतना जरूर है कि दोनों के बीच किसी प्रोजेक्ट को लेकर बात बनी है। डियर जिंदगी में रोहित ने आलिया भट्ट के छोटे भाई की भूमिका निभाई थी। आलिया के अलावा कुणाल कपूर और शाहरुख खान जैसे बड़े सितारों के अभिनय से सजी फिल्म ने कमाल कर दिया था। गौरी की इस फिल्म ने बॉक्स ऑफिस 136 करोड़ रुपये की कमाई की थी। उम्मीद है कि उनका अगला प्रोजेक्ट भी हिट होगा।

रोहित का नाम ऋतिक रोशन अभिनीत विक्रम वेधा की हिन्दी रीमेक से भी जुड़ा है। खबरें आई थीं कि रोहित इस फिल्म में ऋतिक के भाई की भूमिका निभाएंगे। रोहित ने 2020 में नेटफ्लिक्स की फिल्म लूडो में अपने अभिनय का जलवा दिखाया था। इसके अलावा उन्होंने सीरीज मिसमैच में भी काम किया है। इसके अगले सीजन में भी उन्हें देखा जाएगा। उन्होंने प्रियंका चोपड़ा की द स्काई इज पिंक में भी काम किया है।

गौरी भी बॉलीवुड में किसी परिचय की मोहताज नहीं हैं। कॉलेज के दिनों से ही उनमें फिल्मी दुनिया के प्रति आकर्षण था। उन्हें उनकी फिल्म इंग्लिश विंग्लिश से अपार लोकप्रियता मिली। इस फिल्म के निर्देशन की कमान उन्होंने ही संभाली थी। यह उनके निर्देशन की पहली फिल्म थी। इस फिल्म के लिए उन्हें बेस्ट डेब्यू डायरेक्टर का फिल्मफेयर अवॉर्ड भी मिला था। उनके पति आर बाल्की भी बॉलीवुड के मशहूर निर्देशक हैं।

विजय देवरकोंडा के साथ फिल्म जन गण मन में दिखेंगी जान्हवी

अनन्या पांडे तो फिल्म लाइगर के साथ साउथ में कदम रख चुकी हैं और अब जान्हवी कपूर भी साउथ की ओर रुख करने के लिए तैयार हैं। काफी समय से खबरें आ रही हैं कि वह सुपरस्टार विजय देवरकोंडा के साथ साउथ में अपनी शुरुआत कर रही हैं। हालांकि, उनकी पहली दक्षिण भारतीय फिल्म को लेकर कोई जानकारी सामने नहीं आई थी। अब उनकी इस फिल्म का नाम भी सामने आ गया है।

रिपोर्टों के मुताबिक, जान्हवी और विजय अभिनीत इस सोशल पॉलिटिकल फिल्म का नाम जन गण मन होगा। इसी महीने फिल्म की शूटिंग शुरू होगी। पुरी जगन्नाथ फिल्म का निर्देशन कर रहे हैं और करण जौहर इसके निर्माता हैं। अगस्त तक शूट पूरा हो जाएगा। रिपोर्ट में कहा गया है कि फिल्म के प्री-प्रोडक्शन का काम शुरू हो गया है और इसकी शूटिंग अमेरिका में होगी। जन गण मन की कहानी हत्याओं और दुष्कर्म जैसे अपराधों के इर्द-गिर्द घूमती है।

जान्हवी की दोस्त अनन्या ने भी साउथ में विजय देवरकोंडा के साथ अपने करियर की शुरुआत की है। लाइगर के जरिए वह पहली बार किसी पैन इंडिया फिल्म से जुड़ी हैं। इसमें उनकी जोड़ी भी विजय देवरकोंडा के साथ बनी है। उनकी इस फिल्म के निर्देशन की कमान पुरी जगन्नाथ ही संभाल रहे हैं और फिल्म के निर्माता भी करण जौहर ही हैं। अब जान्हवी भी लाइगर की टीम के साथ साउथ में अपनी किस्मत आजमाने के लिए तैयार हैं।

विजय देवरकोंडा साउथ के सफल अभिनेताओं में गिने जाते हैं। उनकी फैन फॉलोइंग कोरोड़ों में है। वह पेली चुपूलु, अर्जुन रेड्डी, महानती, गीता गोविंदम और टैक्सी ड्राइवर जैसी फिल्मों में नजर आ चुके हैं। पेली चुपूलु को बेस्ट तेलुगु फिल्म का राष्ट्रीय पुरस्कार मिला था।

जान्हवी ने 2018 में करण जौहर की फिल्म धड़क से बॉलीवुड में अपना एक्टिंग करियर शुरू किया था। हालांकि, इसे दर्शकों से कुछ खास प्रतिक्रिया नहीं मिली। इसके बाद जान्हवी को करण की एंथोलॉजी फिल्म घोस्ट स्टोरीज में देखा गया। फिल्म गुंजन सक्सेना- द कारगिल गर्ल के प्रोडक्शन का काम भी करण ने ही संभाला था, लेकिन इस फिल्म से भी जान्हवी अपना जादू नहीं चला पाईं। पिछली बार उन्हें राजकुमार राव के साथ फिल्म रूही में देखा गया था। जान्हवी इन दिनों हिट मलयालम फिल्म हेलेन के हिंदी रीमेक मिली को लेकर भी सुर्खियों में हैं। इसे उनके पिता बोनी कपूर प्रोड्यूस कर रहे हैं। हेलेन एक सफल मलयालम फिल्म है, जिसे राष्ट्रीय पुरस्कार भी मिल चुका है।

गंगूबाई काठियावाड़ी से सामने आया अजय देवगन का लुक

बॉलीवुड में अपनी अदाओं से सभी का दिल जीतने वाली आलिया भट्ट की मोस्ट अवेटेड फिल्म 'गंगूबाई काठियावाड़ी' से अजय देवगन का पोस्टर सामने आया है। आप देख सकते हैं इस पोस्टर में अजय देवगन काफी एंग्री अंदाज में सूट बूट पहने नजर आ रहे हैं। आप सभी को बता दें कि संजय लीला भंसाली के डायरेक्शन में बनी इस फिल्म की कास्ट को लेकर फैंस भी बड़े उत्सुक हैं। अब इन सभी के बीच अजय देवगन के इस पोस्टर को फैंस के रिएक्शन मिल रहे हैं।

इस पोस्टर में अजय देवगन पोस्टर चेक ब्लेजर और ऑफ व्हाइट पैंट शर्ट पहने दिख रहे हैं। इसी के साथ उन्होंने अपने सिर पर शायराना अंदाज वाली टोपी भी पहनी हुई है। आप देख सकते हैं पोस्टर में अजय देवगन स्टाइल से अपने चश्मे को टच करते दिख रहे हैं। वैसे अजय देवगन के इस पोस्टर को देख कर ढेरों फैंस के रिएक्शन के साथ साथ एक्टर रणवीर सिंह ने भी रिएक्ट किया। आप देख सकते हैं अजय देवगन ने भी इस पोस्टर को शेयर किया है जिसे देख रणवीर ने लिखा- 'पावर'। इसी के साथ हुमा कुरैशी ने भी अजय देवगन के इस लुक को सराहा है। आप सभी को बता दें कि फिल्म का ट्रेलर आज 4 फरवरी 2022 को रिलीज किया जा रहा है।

वहीं फिल्म 25 फरवरी को सिनेमाघरों में आ रही है। जी दरअसल ट्रेड एनेलिस्ट तरण आदर्श ने आलिया और अजय कि इस फिल्म का पोस्टर फैंस के साथ शेयर किया है। आप देख सकते हैं अजय देवगन का पोस्टर शेयर करते हुए उन्होंने कैप्शन में लिखा- 'अजय देवगन फर्स्ट लुक 'गंगूबाई काठियावाड़ी' से, फिल्म का ट्रेलर आ रहा है कल। फिल्म को संजय लीला भंसाली ने डायरेक्ट किया है। फिल्म 25 फरवरी को रिलीज होगी।' आप देख सकते हैं सोनी राजदान ने तस्वीर पर कमेंट कर अपनी एक्साइटमेंट दिखाई थी। जी दरअसल एक्ट्रेस की मां ने कई दिल और ताली वाले इमोजी के साथ कमेंट किया था।

बॉलीवुड में कदम रखेंगी सलमान की भांजी अलीजेह?

सलमान खान की भांजी अलीजेह अग्निहोत्री ने बॉलीवुड में एंट्री अभी की नहीं है, लेकिन वह आए दिन सोशल मीडिया पर अपनी ग्लैमरस तस्वीरों को लेकर चर्चा में रहती हैं। पिछले काफी समय से खबरें आ रही हैं कि अलीजेह एक्टिंग की दुनिया में कदम रखने वाली हैं और उन्हें बॉलीवुड में लॉन्च करने की जिम्मेदारी उनके मामा सलमान ने ली है। अब अलीजेह की पहली फिल्म से जुड़ी अहम जानकारी सामने आई है।

रिपोर्ट के मुताबिक, ब्लॉकबस्टर थाई फिल्म बैड जीनियस के हिंदी रीमेक से 21 साल की अलीजेह बॉलीवुड में अपने एक्टिंग करियर की शुरुआत करने वाली हैं। सौमेंद्र पाधी, जिन्हें नेटफ्लिक्स की वेब सीरीज जामताड़ा- सबका नंबर आएगा को निर्देशित करने के लिए जाना जाता है, वह इस फिल्म का निर्देशन करेंगे। अगले महीने इसके प्री-प्रोडक्शन का काम शुरू होगा और साल के अंत तक या 2023 की शुरुआत में फिल्म को रिलीज करने की योजना बनाई गई है।

रिपोर्ट के मुताबिक, सलमान, अलीजेह पर पूरी नजर रख रहे हैं। कैमरे का सामना करने के लिए जिस तरह से अलीजेह ने खुद को तैयार किया है, वह देख सलमान उनसे बहुत प्रभावित हैं। उन्होंने अपनी ड्रामा और एक्टिंग की क्लासेज पूरी कर ली हैं और वह मुंबई फिल्म की शूटिंग शुरू करने से पहले अपने किरदार की तैयारी के लिए वर्कशॉप में हिस्सा लेने वाली हैं। अलीजेह के अलावा फिल्म में कई नए युवा चेहरे अहम भूमिका में दिखेंगे।

बैड जीनियस 2017 में रिलीज हुई थी, जिसे दुनियाभर के दर्शकों का प्यार मिला था। यह साल की सबसे ज्यादा कमाई करने वाली थाई फिल्म बनी थी। पहले नीरज पांडे इस फिल्म के हिंदी रीमेक को निर्देशित करने वाले थे, लेकिन बात आगे नहीं बढ़ी।

इससे पहले चर्चा थी कि अलीजेह सलमान के दोस्त और फिल्ममेकर सूरज बड़जात्या की अगली फिल्म से डेब्यू करेंगी। इस फिल्म में सनी देओल के छोटे बेटे राजवीर के साथ उनकी जोड़ी बनने वाली थी। फिर खबर आई कि अलीजेह इससे बाहर हो गई हैं। इसके बाद यह चर्चा थी कि सलमान अपने प्रोडक्शन हाउस के बैनर तले एक रोमांटिक फिल्म से अलीजेह को बॉलीवुड में ब्रेक दे रहे हैं। हालांकि, अब एक नई फिल्म उनका नाम जुड़ रहा है।

अलीजेह, सलमान खान की बहन अलवीरा और अभिनेता से निर्माता बने अतुल अग्निहोत्री की बेटी हैं। वह तब सुर्खियों में आईं थीं, जब उन्होंने अपनी आंटी सीमा खान की कपड़ों के लिए लहंगे में रैंप वॉक किया था। अलीजेह हमेशा से ही एक अभिनेत्री बनने का सपना देखती आई हैं। उन्होंने बेहद कम उम्र में मॉडलिंग शुरू कर दी थी। बॉलीवुड में आने के लिए अपनी तैयारी के रूप में उन्होंने कोरियोग्राफर सरोज खान से डांस की ट्रेनिंग ली थी।

भारत आर्द्रभूमि संरक्षण को क्यों महत्व देता है

भूपेंद्र यादव

विश्व आर्द्रभूमि दिवस (वर्ल्ड वेटलैंड डे) 2 फरवरी को मनाया जाता है। दुनिया भर में इस दिवस का आयोजन लोगों और हमारी धरती के लिए आर्द्रभूमि के अहम महत्व के बारे में जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से किया जाता है। इसके अलावा, विश्व आर्द्रभूमि दिवस ईरान के शहर रामसर में 1971 में किए गए आर्द्रभूमि से संबंधित रामसर समझौते को याद करने का भी एक अवसर है।

आज यह ध्यान देने योग्य तथ्य है कि रामसर समझौते के ग्लोबल वेटलैंड आउटलुक के अनुसार, आर्थिक रूप से दुनिया के सबसे महत्वपूर्ण इकोसिस्टम और वैश्विक जलवायु के नियामकों में शामिल आर्द्रभूमि जंगलों की तुलना में तीन गुना तेजी से गायब हो रहे हैं। वनों के महत्व के बारे में जहां काफी जानकारियां उपलब्ध हैं, वहीं आर्द्रभूमि की उपयोगिता को हमेशा पूरी तरह से नहीं समझा गया है।

पीटलैंड, जोकि दुनिया के भूसतह का सिर्फ तीन प्रतिशत हिस्सा हैं, वनों की तुलना में दोगुना कार्बन संचित करते हैं और इस प्रकार वे जलवायु परिवर्तन, सतत विकास और जैव विविधता से संबंधित वैश्विक प्रतिबद्धताओं को पूरा करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। निश्चित रूप से, आर्द्रभूमि समुद्र तटों की रक्षा करके बाढ़ जैसी आपदाओं के जोखिम को कम करने में भी मदद करती है।

तटीय और समुद्री इकोसिस्टम में प्रजातियों की समृद्धि के बारे में किए गए एक हालिया संकलन ने समुद्री घास की कम से कम 14 प्रजातियों, मैनग्रोव की 69 प्रजातियों (सहयोगियों सहित), डायटम की 200 से अधिक प्रजातियों, पोरिफेरा की 512 प्रजातियों, सीनिडारिया की 1,042 प्रजातियों, मोलस्क की 55,525 प्रजातियों, क्रस्टेशियंस की 2,394 प्रजातियों, मत्स्य वर्ग (पाइसीज) की 2,629 प्रजातियों, सरीसृप वर्ग की 37 प्रजातियों, पक्षियों की 243 प्रजातियों और स्तनधारी की 24 प्रजातियों की उपस्थिति का संकेत दिया है। भारतीय मैनग्रोव में पायी जाने वाली वनस्पतियों की 925 प्रजातियों और जीव - जन्तुओं की 4,107 प्रजातियों के बारे में जानकारियां उपलब्ध हैं। देश के महत्वपूर्ण रीफ क्षेत्रों में फलते-फूलते कम से कम 478 प्रजातियों के साथ भारत के स्क्लेरेक्टिनिया कोरल में अन्य उष्णकटिबंधीय रीफ क्षेत्रों की तुलना में अधिक समृद्ध विविधता है।

हर साल, लाखों प्रवासी पक्षी भारत आते हैं और आर्द्रभूमि इस वार्षिक परिघटना में अहम भूमिका निभाती हैं। इकोलॉजी की दृष्टि से आर्द्रभूमि पर निर्भर रहने वाले ये प्रवासी जलपक्षी अपनी मौसमी आवाजाही के जरिए विभिन्न महाद्वीपों, गोलार्धों, संस्कृतियों और समाजों को आपस में जोड़ते हैं। यह प्रवासन एक बेहद ही नाजुक दौर होता है, एक ऐसा समय जब पक्षियों को उच्चतम मृत्यु दर का सामना करना पड़ता है। स्टॉपओवर साइट या ठहराव स्थल प्रवासी पक्षियों को आराम और शिकारियों एवं उनकी यात्रा के अगले चरण पर निकलने से पहले खराब मौसम से सुरक्षा प्रदान करती हैं। विविध प्रकार की आर्द्रभूमि पक्षियों को जरूरी ठहराव की सुविधा प्रदान करती है। बदले में, ये प्रवासी जलपक्षी संसाधनों के प्रवाह, जैव ईंधन (बायोमास) के हस्तांतरण, पोषक तत्वों के निर्यात, खाद्य-संजाल संरचना और यहां तक कि सांस्कृतिक संबंधों को आकार देने में योगदान देकर उन आर्द्रभूमि में एक अहम भूमिका निभाते हैं जहां वे अपने जीवनकाल के विभिन्न चरणों में रहते हैं।

आर्द्रभूमि का भारतीय संस्कृति और परंपराओं के साथ भी एक गहरा संबंध है। मणिपुर में जहां लोकटक झील स्थानीय लोगों द्वारा 'इमा' (अर्थात् माता) के रूप में पूजनीय है, वहीं सिक्किम की खेचोपलरी झील 'मनोकामना पूरी करने वाली झील' के रूप में लोकप्रिय है। उत्तर भारत का छठ पर्व लोग, संस्कृति, पानी और आर्द्रभूमि के जुड़ाव की सबसे अनोखी अभिव्यक्तियों में से एक है। कश्मीर में डल झील, हिमाचल प्रदेश में खज्जियार झील, उत्तराखंड में नैनीताल झील और तमिलनाडु में कोडाईकनाल देश के लोकप्रिय पर्यटन स्थल हैं, जो स्थानीय अर्थव्यवस्था में महत्वपूर्ण योगदान देते हैं। ओडिशा की चिल्का झील में किया जाने वाला मत्स्यपालन और पर्यटन इस लैगून के आसपास रहने वाले दो लाख से अधिक लोगों की आजीविका को सहारा देता है।

इतने व्यापक महत्व के बावजूद, वैश्विक स्तर पर आर्द्रभूमि का अस्तित्व जल निकासी, प्रदूषण, अंधाधुंध उपयोग, आक्रामक प्रजातियों, वनों की कटाई और मिट्टी के कटाव सहित विभिन्न कारणों से खतरे में है।

भारत की राष्ट्रीय वन्यजीव कार्य-योजना (2017-2031) ने अंतर्देशीय जलीय इकोसिस्टम के संरक्षण को 17 प्राथमिकता वाले कार्यों में से एक के रूप में पहचाना है और महत्वपूर्ण उपायों के तौर पर एक राष्ट्रीय आर्द्रभूमि मिशन और एक राष्ट्रीय आर्द्रभूमि जैव विविधता रजिस्टर के गठन की परिकल्पना की है। नदी बेसिन प्रबंधन में आर्द्रभूमि के एकीकरण को नदी प्रणालियों के प्रबंधन से जुड़ी एक रणनीति के रूप में चिन्हित किया गया है। आर्द्रभूमि हमारे पानी को शुद्ध तथा जलस्रोतों को पुनर्जीवित करती हैं और अरबों लोगों के खाने के लिए मछली एवं चावल मुहैया कराती हैं।

इसकी महत्ता को समझते हुए, जलवायु परिवर्तन से संबंधित राष्ट्रीय कार्य-योजना ने राष्ट्रीय जल मिशन एवं हरित भारत मिशन में आर्द्रभूमि के संरक्षण और सतत प्रबंधन को शामिल किया है।

केन्द्र द्वारा अधिनियमित विभिन्न नियमों एवं विनियमों के तहत आर्द्रभूमि को संरक्षण प्राप्त है। भारतीय वन अधिनियम, 1927, वन (संरक्षण) अधिनियम, 1980 और भारतीय वन्य जीव (संरक्षण) अधिनियम, 1972 के विभिन्न प्रावधान वनों और नामित संरक्षित क्षेत्रों के भीतर स्थित आर्द्रभूमि से संबंधित नियामक ढांचे को परिभाषित करते हैं। पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय ने 2017 में पर्यावरण (संरक्षण) अधिनियम, 1986 (ईपी अधिनियम) के तहत आर्द्रभूमि (संरक्षण और प्रबंधन) नियमों को अधिसूचित किया। इन नियमों के प्रावधानों के अनुसार, राज्यों के भीतर मुख्य नीति और नियामक निकायों के रूप में राज्य आर्द्रभूमि प्राधिकरणों का गठन किया गया है।

इसके अलावा, ईपी अधिनियम के तहत, तटीय विनियमन क्षेत्र (सीआरजेड) अधिसूचना (2018) तथा इसके संशोधनों और द्वीप संरक्षण क्षेत्र (आईपीजेड) अधिसूचना 2011 के तहत तटीय आर्द्रभूमि संरक्षित हैं।

पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय ने 2020 में 'आर्द्रभूमि के कायाकल्प' को एक परिवर्तनकारी विचार के रूप में अपनाया। इस कार्यक्रम की संरचना एक चहुंमुखी दृष्टिकोण के इर्द-गिर्द की गई है: क) आधारभूत जानकारी विकसित करना; ख) आर्द्रभूमि स्वास्थ्य कार्ड के रूप में मापदंडों के एक सेट का उपयोग करके आर्द्रभूमि की स्थिति का त्वरित मूल्यांकन; ग) आर्द्रभूमि मित्र के रूप में हितधारक प्लेटफार्मों को सक्षम बनाना; और घ) प्रबंधन संबंधी योजना। तब से लेकर अब तक 500 से अधिक आर्द्रभूमि को कवर करने के उद्देश्य से इस कार्यक्रम का विस्तार किया गया है।

आजादी का अमृत महोत्सव समारोह के हिस्से के रूप में और आर्द्रभूमि के संरक्षण में लोगों की भागीदारी सुनिश्चित करने के उद्देश्य से सभी महत्वपूर्ण आर्द्रभूमि में आर्द्रभूमि मित्र पंजीकृत किए गए हैं और इन आर्द्रभूमि में महत्व और खतरे से संबंधित संकेतक स्थापित किए गए हैं।

आर्द्रभूमि से संबंधित सभी प्रबंधकों और हितधारकों के उपयोग के लिए आर्द्रभूमि से जुड़े एक ज्ञान केन्द्र के रूप में एक राष्ट्रीय आर्द्रभूमि पोर्टल को विकसित किया गया है।

सू- दोकू क्र.119

	9			2				1
		5	1				3	
7				9		8		5
	8		3		7		5	
2		7				1		3
	4			1			8	
6		2			9			
	5		7			3		
		8		5			6	7

नियम

1. कुल 81 वर्ग है,जिसमें 9वर्गो का एक खंड बनता है।
2. हर खाली वर्ग में 1से 9 के बीच का कोई एक अंक भर सकते है।
3. बाएं से दाएं और उपर से नीचे के प्रत्येक कालम,कतार और खंड में 1से9अंक में से किसी भी अंक का इस्तेमाल एक बार ही कर सकते है।

सू-दोकू क्र.118 का हल

7	8	2	6	3	1	4	5	9
6	4	1	8	5	9	2	7	3
9	3	5	4	7	2		1	8
2	6	3	1	9	7	5	8	4
5	7	8	3	6	4	1	9	2
1	9	4	5	2	8	7	3	6
4	5	7	2	8	3	9	6	1
3	1	6	9	4	5	8	2	7
8	2	9	7	1	6	3	4	5

हार-जीत से बड़ा है सक्षम बनना

अमिताभ स.

'सफलता और असफलता में से किसी एक का पलड़ा भारी नहीं है, क्योंकि सीखते हम दोनों से हैं।' कहना है, इसरो के पूर्व प्रमुख व जाने-माने वैज्ञानिक डॉ. के. सिवन का। सच है कि जीत या सफलता एक मन:स्थिति है। लेकिन कुछ हासिल करना या किसी को परास्त करना, वास्तव में जीत कहां है? आप जैसे हैं, वैसे ही खुश हैं, यह सफलता के असल मायने हैं। बस खेलते रहना जीत से कम बड़ी बात नहीं है। जीतने या हारने से ज्यादा अहमियत सक्षम बनने की है। सयाने बताते हैं कि जिंदगी जीने की जो सीख खेल-खेल में मिलती है, वह किसी से नहीं मिलती। सुबह की सैर और जिम में कसरत सेहत जरूर दुरुस्त रखते हैं, लेकिन खेलों जैसा चौतरफा व्यक्तित्व निखार नहीं ला पाते। हारना सिखाना ही खेलों की बड़ी खूबी है। जबकि कोई हारना नहीं चाहता, न ही किसी को हारना आता है। स्कूली और गली-मोहल्लों के खेलों में तो बचपन ही गुजरता है कि हारते जाओ, फिर भी खेलते जाओ। कोई कितना हारे, खेलने के मौके कम नहीं होते। खेलों की भांति जिंदगी में भी तमाम चुनौतियों से दो-चार होना पड़ता है- कुछ जीतते हैं, कुछ हारते हैं। जाने-माने उद्योगपति अज़ीम प्रेमजी बताते हैं, 'कोई सौ में से सौ दांव नहीं जीतता है। अपनी हार को भी सामान्य तौर पर लीजिए। हार के लिए खुद को सज़ा मत दीजिए। हार मानिए, अपने हिस्से की समस्या से सीखें और आगे बढ़िए।' और फिर, जीतने का इतना महत्व नहीं होता, जितना जीतने के लिए प्रयास करने का होता है।

एक दौड़ प्रतियोगिता में केन्या का एथलीट हाबिल मुताई भाषा की दिक्कत की वजह से 'दौड़ पूरी हो गई' लिखे मार्क को समापन बिंदु मान कर फिनिश लाइन से कुछ फुट पहले रुक गया। उसके पीछे आ रहे स्पेनिश एथलीट इवान फर्नांडीज ने चिल्लाकर उसे रेस जारी रखने को कहा। लेकिन मुताई को स्पेनिश में कहा समझ नहीं आया। स्पेनिश एथलीट ने आव देखा न ताव, उसे जीतने के लिए इतनी जोर से धक्का दे मारा, ताकि वह फिनिश लाइन पार कर जाए। ऐसा करके इवान खुद हार कर भी जीत गया। ज़ाहिर होता है कि जीतने की इच्छा रखना, लेकिन जरूरत पड़े, तो हारने के लिए तैयार रहना, अपनी जीत और हार को शालीनता से सम्भालना- यही खूबियां हैं, जो खेल से किसी इंसान के अंदर आती हैं, आनी चाहिए। सद्गुरु जग्गी वासुदेव कहते हैं, 'जो हमारे साथ प्रतिस्पर्धा करते हैं, वे हमारे दुश्मन नहीं होते। ये लोग हमें खुद की कमियों को याद दिलाते रहते हैं। साथ ही, हमारी गुणवत्ता को कायम रखते हैं।' हर मैच को जीतना सही गोल या लक्ष्य नहीं होना चाहिए। हर खेल जीतना ही मकसद होगा, तो हार से आत्मविश्वास डगमगा जाएगा। इसलिए बेहतरीन खेलना ही हर खिलाड़ी का मकसद होता है। तय है कि खेल-खेल कर सीखने वाला कभी नहीं हारता।

ज़िंदगी के भी हर मोर्चे पर बेशक हारते जाएं, लेकिन मन से कभी नहीं हारना चाहिए। और अगर कोई विजेता बनना चाहे, तो उसे पहले विनम्र, प्रेममय, शांतिमय और आनंदमय इंसान बनना होगा। शतरंज खिलाड़ी विश्वनाथन आनंद इस हद तक लिखते हैं, 'जीतना आसान है। कठिन तो उसके बाद का दौर है। हार प्रयोग करने की प्रेरणा देती है। जीत इस राह पर चलने की प्रेरणा दे ही नहीं सकती। हरेक का हर परफ़ॉर्मेंस जीत-हार और सफलता-असफलता के दो स्तम्भों के बीच झूलता है।' खोने और पाने का सिलसिला हरेक के साथ ताउम्र जारी रहना चाहिए। आप कर सकते हैं, मन में यह विश्वास हो, तो आधी जीत मिल जाती है।

इसीलिए माना जाता है कि जिंदगी किसी खेल या परीक्षा की तरह जोखिम से भरी है। कोई इसे पहेली कहता है, कोई इम्तिहान, तो कोई मौका। जो बीत गया, उसे हरगिज दुरुस्त नहीं किया जा सकता, लेकिन आने वाले दौर का निर्माण किया जा सकता है। हार या फेल का रोना भूल कर और खुद पर यकीन कर हर इंसान अपने लक्ष्य के काफी समीप पहुंच सकता है। क्योंकि हर इंसान अपनी किस्मत खुद रचता है। जब किस्मत रचने में असफल होता है, तब वह नियति बन जाती है।

भाजपा का विकास सिर्फ कागजों में: मनीष

संवाददाता

हरिद्वार। हरिद्वार ग्रामीण विधानसभा में कांग्रेस की प्रत्याशी अनुपमा रावत के समर्थन में विभिन्न क्षेत्रों में जन सभाएं आयोजित की गई और जनता से आव्हान किया गया कि वह आने वाली 14 तारीख को कांग्रेस प्रत्याशी अनुपमा रावत को भारी मतों से विजई बनाएं। श्यामपुर और मीठी बेरी में आयोजित जनसभा में मुख्य अतिथि के रुप में बोलते हुए प्रदेश कांग्रेस कमेटी के महामंत्री व पूर्व राज्य मंत्री मनीष कुमार नागपाल ने भाजपा की केंद्र व राज्य सरकार पर आरोप लगाते हुए कहा कि उन्होंने विकास के नाम पर सिर्फ जनता को ठगा है। विकास केवल कागजों तक सीमित रह गया है और आज जो भी लोग मंचों से विकास की बातें करते हैं वह सिर्फ झूठ और फरेब है। इसका उदाहरण आज यहां श्यामपुर में सड़कों की बदहाली को देख कर पता चल रहा है कि कितना विकास यहां पर हुआ है। सड़कों में एक-दो फीट के गड्ढे हो गए हैं लोगों का चलना दूभर हो रखा है विकास सिर्फ कागजों में ही बोला है धरातल पर यह आज तक नहीं उतर पाया है। उन्होने क्षेत्रीय विधायक पर आरोप लगाते हुए कहा कि उन्होंने केवल और केवल जनता का वोट लिया और आज तक क्षेत्र के विकास के लिए कोई ठोस कार्य योजना नहीं बनाई जिसका खामियाजा क्षेत्र की जनता को धक्के खा खाकर गुजारना पड़ रहा है। जबकि जनता ने इन्हें डबल इंजन लगा कर दिया था और आज स्थिति यह है कि उनके दोनों इंजन फेल हो गए हैं।

मनीष कुमार ने क्षेत्रीय जनता से आह्वान करते हुए कहा कि 14 तारीख को वह भयमुक्त होकर अपने मताधिकार का प्रयोग करें और कांग्रेस की सरकार बनाएं ताकि प्रदेश में खुशहाली आ सके, क्षेत्र का विकास हो सके, लोगों को रोजगार मिल सके,महंगाई कम हो सके किसानों को उनकी फसल का उचित मूल्य मिल सके, मजदूरों व महिलाओं को रोजगार मिल सके ताकि वह अपना जीवन यापन सही तरीके से कर सकें।

कार्यक्रम को कांग्रेस के वरिष्ठ नेता सुधीर पाराशर, प्रदेश कांग्रेस कमेटी के सचिव आशीष नौटियाल, सेवादल के प्रदेश सचिव शंकर सिंह मेहरारू, शानू अंसारी, देवेंद्र बिष्ट, अनिल सिंह, बलबीर देवांग ने भी संबोधित किया।

केजरीवाल का गारंटी वाला घोषणा पत्र..

▶▶ पृष्ठ 1 का शेष

जैसे आप की सरकार द्वारा दिल्ली में दी जा रही है।

आप ने अपने घोषणा पत्र में सेवानिवृत्त होने वाले जवानों को सरकारी नौकरी देने की भी गारंटी दी गई है। आम आदमी पार्टी का कहना है कि इससे उनके सेना में कार्य करने के अनुभवों का फायदा सरकार और राज्य के लोग ले सकेंगें तथा सेवानिवृत्ति के बाद काम की तलाश में भी उन्हें नहीं भटकना पड़ेगा। इसके साथ ही आम आदमी पार्टी ने राज्य की सभी 18 साल की आयु पूरी कर चुकी महिलाओं को हर साल 1000 रूपये सम्मान राशि देने का वायदा किया है वहीं राज्य के युवा बेरोजगारों को रोजगार देने की गारंटी के साथ कहा गया है कि जिन युवाओं को सरकार रोजगार नहीं दे पायेगी उनको हम हर माह 5000 की सम्मान राशि देंगे। आम आदमी पार्टी ने राज्य के सभी लोगों को 300 यूनिट फ्री बिजली हर माह देने और 24 घंटे बिजली देने की गारंटी भी दी है। इसके साथ ही आम आदमी पार्टी ने राज्य के बजट का 25 फीसदी राज्य की शिक्षा व्यवस्था में सुधार पर खर्च करने की घोषणा की है। राज्य के स्कूलों को विश्वस्तरीय बनाने का वायदा किया गया है। यही नहीं इस गारंटी पत्र में हर गांव तक मुफ्त इलाज की सुविधा पहुंचाने की बात कही गई है तथा हर गांव में मोहल्ला क्लीनिक खोले जाने का भरोसा दिलाया गया है। आप के घोषणा पत्र में कहा गया है कि आप की सरकार बनी तो राज्य को कर्जा मुक्त बनाया जायेगा और उसका बजट एक लाख करोड़ तक ले जाया जाएगा। आप नेता गोपाल राय का कहना है कि प्रदेश की जनता एक बार आप को मौका देकर देखे वह अपने सभी वायदे पूरे करेंगे।

नेक नियत वालों का साथ जनता कभी ..

▶▶ पृष्ठ 1 का शेष

आएगा। मोदी ने कहा कि कांग्रेस ने 70 साल तक पहाड़ के लोगों को यह सोचने पर विवश किया कि वह कहां जाएं और क्या करें? पलायन राज्य की सबसे बड़ी समस्या रही है लेकिन अब ऐसा नहीं होगा। राज्य में रोजगार के नए अवसर मिलेंगे। उन्होंने होमस्टे के कंसेप्ट की तारीफ करते हुए कहा कि पहाड़ की महिलाएं इतनी मेहनतकश है कि वह कुछ भी कर सकती हैं।

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि हम हर घर नल, हर घर जल योजना के तहत 2025 तक हर घर में पानी पहुंचा देंगे और महिलाओं को बंटा लेकर पानी के लिए नहीं भटकना पड़ेगा। अब तक 8 लाख घरों तक हम पानी के कनेक्शन पहुंचा चुके हैं। तथा इस पर हम 60 हजार करोड़ खर्च करने वाले हैं। राज्य की सड़के और रेल सुविधाएं बढ़ाने पर लगातार काम हो रहा है उन्होंने कहा कि आप लटकाने वाले और भटकाने वालों से सावधान रहें वरना वह फिर राज्य के विकास पर ब्रेक लगा देंगे।

एसटीएफ व साइबर क्राईम पुलिस की देशभर में धरपकड़ जारी

❑एक सप्ताह के भीतर बिहार से दो साईबर अपराधी गिरफ्तार

संवाददाता

देहरादून। एसटीएफ व साइबर क्राईम पुलिस ने लोगों को ठगने वाले दो साइबर अपराधियों को बिहार से गिरफ्तार किया।

आज यहां इसकी जानकारी देते हुए एसटीएफ के एसएसपी अजयसिंह ने बताया कि वर्तमान में साइबर अपराधी आम जनता की गाढ़ी कमाई हड़पने हेतु अपराध के नये-नये तरीके अपनाकर धोखाधड़ी कर रहे है । उन्होंने बताया कि इसी परिपेक्ष्य में ठगों द्वारा विभिन्न आँनलाईन सर्च इंजन पर बैंक/विभिन्न कम्पनियो के कस्टमर केयर नाम से फर्जी मोबाइल नम्बर प्रसारित कर आम जनता से ई-मेल व दूरभाष के माध्यम से सम्पर्क कर ऑनलाईन लोन, सामान बेचने, शिकायतो के निस्तारण आदि के नाम पर करोडो रुपये की धोखाधडी की जा रही है। उन्होंने बताया कि एक प्रकरण साइबर क्राईम पुलिस स्टेशन को प्राप्त हुआ था जिसमें मदन सिंह फर्सवाण निवासी चमोली के साथ इसी प्रकार की घटना घटित हुयी जिसमें पीडित द्वारा लोन की आवश्यकता के दृष्टिगत गूगल पर दर्शित बजाज कम्पनी के कस्टमर केयर नम्बर से सम्पर्क किया गया। जिनके द्वारा स्वयं को बजाज का कस्टमर केयर अधिकारी बताते हुये कम ब्याज पर लोन उपलब्ध कराने का लालच देते हुये प्रोसेसिंग फीस, ईएमआई शुल्क एवं अन्य विभिन्न शुल्क के नाम पर भिन्न भिन्न बैंक खातो में लगभग कुल 25 लाख रुपये की धनराशि जमा कराते हुये धोखाधडी किये जाने की शिकायत प्राप्त हुयी। जिस पर साइबर क्राईम पुलिस स्टेशन में मुकदमा दर्ज किया गया तथा विवेचना साइबर थाने के निरीक्षक विकास भारद्वाज के सुपुर्द कर विवेचक के नेतृत्व में टीम का गठन किया गया।

उन्होंने बताया कि पुलिस टीम द्वारा अथक मेहनत एवं प्रयास से आरोपियों द्वारा पीडित से धोखाधडी से प्राप्त की गयी धनराशि के सम्बन्ध में जानकारी प्राप्त की गयी तो आरोपियों द्वारा उक्त धनराशि बिहार, पश्चिम बंगाल आदि स्थानों में आहरित किया जाना प्रकाश में आया। आरोपियों द्वारा फर्जी आईडी कार्ड के आधार पर मोबाईल नम्बरों का प्रयोग कर अपराध कारित किया गया । प्रकरण में अपराधियो की गिरफ्तारी हेतु निरीक्षक विकास भारद्वाज के नेतृत्व में टीम गठित कर बिहार, पश्चिम बंगाल आदि राज्यो हेतु रवाना की गयी थी । जिनके द्वारा उक्त धोखाधड़ी करने वाले गिरोह के दो सदस्यो नबीन कुमार महतो पुत्र विश्नुदेव महतो निवासी ग्राम पांची थाना शेखुपुरा सराय जिला शेखपुरा बिहार, मंटू कुमार पुत्र स्व० कांता प्रसाद निवासी ग्राम पांची थाना शेखुपुरा सराय जिला शेखपुरा बिहार, को पांची, बिहार राज्य से गिरफ्तार किया गया। आरोपियों का स्थानीय न्यायालय से ट्रांजिट रिमाण्ड प्राप्त कर उत्तराखण्ड लाया जा रहा है। आरोपियों से पूछताछ में यह तथ्य प्रकाश में आये कि यह गिरोह फर्जी आईडी पर सिम कार्ड लेकर पूरे भारतवर्ष में जरुरतमंदो को कम ब्याज पर लोन दिलाने का लालच देकर विभिन्न शुल्क, प्रोसेसिंग फीस आदि के एवज में धनराशि विभिन्न खातो में मंगाकर धोखाधड़ी करते है । आरोपियों से अपराध में प्रयुक्त 03 मोबाइल फोन व आधा दर्जन सिम कार्ड बरामद हुये है।

15 लाख की शराब के साथ दो गिरफ्तार, तीन फरार

संवाददाता

ऊधमसिंह नगर । पुलिस व एसओजी ने 15 लाख की शराब के साथ दो लोगों को गिरफ्तार किया। जबकि उनके तीन साथी फरार हो गये। पुलिस ने पांच लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार एसएसपी ऊधमसिंह नगर ने क्षेत्र में मादक पदार्थो तस्करी पर रोक लगाने के लिए स्थानीय पुलिस व एसओजी को निर्देश दिये गये हैं। आज एसओजी टीम को सूचना मिली कि वाहन संख्या पीकप यूके 04 सीए 7955 के चालक ललित बिष्ट द्वारा एफएल-2 बगवाडा गोदाम से उकरौली सितारगंज अंग्रेजी शराब की दुकान से 200 पेटी शराब क्वाटर लोड किये गये परन्तु वह उकरौली तक नहीं पहुंचे। जिसके बाद एसओजी टीम ने पीकप चालक को किच्छा क्षेत्र से वापस आते समय पकड लिया। जिससे कडी पूछताछ की गयी तो चालक ललित ने बताया कि सितारगंज की शराब की दुकान के सैल्समैन सुन्दर सिंह बिष्ट व दुकान स्वामी विरेन्द्र सिंह बिष्ट के पिता मोहन सिंह के कहने पर उक्त शराब सितारगंज निवासी प्रभजोत सिह के साथ मिलकर पार्टी विशेष के लिए आगामी चुनाव हेतु लालपुर सरकडा निवासी गुरविन्दर सिंह के घर पर उतारने की बात बतायी। जिसके बाद एसओजी ने ललित बिष्ट की निशानदेही पर सितारगंज पुलिस को साथ लेकर गुरविन्दर सिंह के घर पर छापामारी की गयी तो एक कमरे से पुलिस ने 113 पेटी 8पीएम व यूके नम्बर-1 के 96 क्वाटर बरामद कर लिये। जिसके बाद पुलिस ने ललित बिष्ट पुत्र प्रताप सिंह बिष्ट निवासी पश्चिमी खेडा गोलापुर हल्द्वानी व सुन्दर सिंह बिष्ट पुत्र गोविन्द सिंह बिष्ट निवासी ग्राम गेलाकोट कपकोट थाना लमगडा जिला अल्मोडा को गिरफ्तार कर वाहन को सीज कर प्रभजोत सिंह गुरविन्दर सिंह व दुकान स्वामी मोहन सिंह बिष्ट को नामजद कर मुकदमा दर्ज कर अन्य की तलाश शुरू कर दी।

फलदार वृक्ष काटने पर तीन के खिलाफ मुकदमा

संवाददाता

देहरादून। पुलिस ने फलदार वृक्ष काटने पर एक ही परिवार के तीन लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।प्राप्त जानकारी के अनुसार प्रभारी उध्यान सचल दल इन्द्रभूषण ने विकासनगर कोतवाली में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि धर्मावाला निवासी प्रवेश भण्डारी उसके भाई दिनश व मां श्रीमती पुष्पा देवी ने उनसे एक पेड काटने की अनुमति ली थी लेकिन जब वह मौके पर पहुंचे तो उक्त लोगों ने दर्जनों फलदार वृक्ष काट रखते थे। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

कोरोना से डरे नहीं
सतर्क रहें, सुरक्षित रहें

एक नजर

पूर्व सांसद अजय चौटाला 10 साल की सजा पूरी कर तिहाड़ जेल से रिहा हुए

हरियाणा। पूर्व सांसद अजय चौटाला ने हरियाणा में शिक्षक भर्ती घोटाले के सिलसिले में १० साल की कैद की सजा पूरी कर ली है। १० साल की सजा पूरी होने के बाद जननायक जनता पार्टी के मुखिया अजय चौटाला तिहाड़ जेल से रिहा कर दिया गया। जेल अधिकारियों ने इस बात की जानकारी दी। जेल अधिकारियों ने बताया कि चौटाला की सजा पूरी हो गई थी और उन्हें औपचारिक रूप से रिहा कर दिया गया। जेल के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया, चौटाला को सीबीआई के एक मामले में दोषी करार दिये

जाने के बाद १० साल की कैद की सजा के लिए १६ जनवरी २०१३ को जेल में डाला गया था। सजा की अवधि के दौरान उन्होंने कुल दो साल, सात महीने और २४ दिनों की छूट अर्जित की। अजय चौटाला गुरुवार को तिहाड़ जेल पहुंचे थे। जेल के अधिकारियों ने बताया, वह १४ मई २०२१ से आपातकालीन पैरोल पर थे। वह गुरुवार को तिहाड़ जेल पहुंचे और अपने जुर्माने की राशि जमा की, जिसके बाद उन्हें औपचारिक रूप से रिहा कर दिया गया। गौरतलब है कि हरियाणा के पूर्व मुख्यमंत्री ओम प्रकाश चौटाला के बड़े बेटे अजय चौटाला और ५३ अन्य को ३,२०६ जूनियर बेसिक शिक्षकों की वर्ष २००० में अवैध भर्ती के मामले में दोषी करार दिया गया था।

यूक्रेन ने रूस पर लगाया समुद्री नाकेबंदी का आरोप

कीव। यूक्रेन ने रूस पर समुद्र तक उसकी पहुंच को रोकने का आरोप लगाया है। रूस अगले सप्ताह इस क्षेत्र में बढ़ते तनाव के बीच नौसैनिक अभ्यास की तैयारी कर रहा है। यूक्रेन के विदेश मंत्री दिमित्रो कुलेबा ने कहा कि आजोव सागर पूरी तरह से अवरुद्ध हो गया है। रूसी सेना ने काला सागर को लगभग पूरी तरह से काट दिया है। इसके चलते यूक्रेन से समुद्री जहाज

नहीं निकल पा रहे हैं और न यूक्रेन तक पहुंच रहे हैं। रूस का नौसैनिक अभ्यास अगले सप्ताह यूक्रेन के दक्षिण में दो समुद्रों काला सागर और आजोव सागर में होगा। रूस ने मिसाइल और गनरी फायरिंग अभ्यास का हवाला देते हुए तटीय चेतावनी जारी की है। यूक्रेन के विदेश मंत्रालय ने कहा कि अभूतपूर्व विशाल क्षेत्र में युद्धाभ्यास आयोजित किया जाएगा। इसके चलते दोनों समुद्रों में नेविगेशन व्यावहारिक रूप से असंभव है। वहीं, यूक्रेन के रक्षा मंत्री ओलेक्सी रेजनिकोव ने ट्वीट किया कि रूस द्वारा दोनों समुद्रों के अंतरराष्ट्रीय जल को अवरुद्ध कर दिया गया था।

सपा नेता के खेत में दलित युवती का शव मिलने से हड़कंप, कोतवाल सस्पेंड

उन्नाव। उत्तर प्रदेश के उन्नाव में समाजवादी पार्टी के एक नेता के खेत में दलित युवती का शव मिलने का मामला तूल पकड़ता जा रहा है। लापरवाही के चलते शहर कोतवाल अखिलेश चंद्र पांडेय को सस्पेंड कर दिया गया है। सपा सरकार के पूर्व मंत्री के बेटे पर युवती के अपहरण और

हत्या का आरोप है। अब बीजेपी इस मामले को लेकर समाजवादी पार्टी पर हमलावर है। उन्नाव मामले पर बीजेपी सांसद अशोक वाजपेई ने कहा कि समाजवादी पार्टी के नेताओं का चरित्र रहा है और वह अपने रसूख और सांठगांठ के चलते इतने दिनों तक बचने की कोशिश जरूर करते रहे लेकिन पुलिस ने जांच आगे बढ़ाई है और जो भी दोषी होगा उस को कड़ी से कड़ी सजा दी जाएगी। वहीं यूपी के उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मोर्या ने कहा, श्री अखिलेश यादव जी सपा नेता के खेत में दलित बेटी का शव बरामद , जब बेटी की मां आपकी गाड़ी के सामने गिड़गिड़ा रही थी तो उनकी बात नहीं सुनना और सपा नेता का संरक्षण करोगे। नई सपा में सपाइयों का हर घिनौना अपराध माफ करोगे, जाँचकर दोषी को दंड पीड़ित को न्याय दिलाने कसर नहीं छोड़ेंगे। बता दें कि युवती के शव को पुलिस ने मजिस्ट्रेट और परिजनों की मौजूदगी में गड्ढा खोदकर बरामद किया ।

70 लाख की शराब सहित दो गिरफ्तार

हमारे संवाददाता

पिथौरागढ़। विधानसभा चुनावों के मद्देनजर चलाये जा रहे चैकिंग अभियान के तहत एसओजी व पुलिस द्वारा अलग-अलग स्थानों से कुल 70 लाख की शराब बरामद कर दो लोगों को गिरफ्तार कर लिया गया है। हालांकि दो लोग मौके से फरार होने में सफल रहे जिनकी तलाश की जा रही है।

जानकारी के अनुसार विधानसभा चुनावों के मद्देनजर जनपद पिथौरागढ़ में इन दिनों सघन चैकिंग अभियान चलाया जा रहा है। इस क्रम में एसओजी व कोतवाली पिथौरागढ़ पुलिस की संयुक्त टीम द्वारा शराब की दुकान मल्ल पैलेस पिथौरागढ़ में छापेमारी कर विभिन्न मार्का की 29 पेटी अवैध अंग्रेजी शराब बरामद कर एक व्यक्ति अशोक लुन्ठी पुत्र प्रेम सिंह लुन्ठी निवासी पिथौरागढ़ को गिरफ्तार किया गया है।

इस क्रम में टीम द्वारा केमू स्टेशन के पास हरिओम होटल के पास स्थित अंग्रेजी शराब की दुकान में छापेमारी की गयी। दुकान में विमल अधिकारी पुत्र नैन सिंह अधिकारी, भुवन सिंह गुन्ज्याल पुत्र बहादुर सिंह निवासी धर्मशाला लाईन पिथौरागढ़ और रमेश सिंह खनका उर्फ रमिया मौजूद मिले।

दुकान के प्रपत्र चैक जब स्टाक रजिस्टर का मिलान शराब की दुकान में मौजूद स्टाक से किया गया तो कुल 144 पेटी का विवरण स्टाक रजिस्टर व अन्य प्रपत्रो मे अंकित नही था। दुकान स्वामी भुवन सिंह गुन्ज्याल से बरामद माल के सम्बन्ध में पूछा गया तो उसने बताया कि मेरे पास बरामद शराब से सम्बन्धित कोई भी रिकार्ड नही है। मैने यह माल कुछ सालों से नगरकोटी काम्पलेक्स मे बने अपने गोदाम मे रखा था जिसे मैं अपनी शराब की दुकान मे बेच रहा हूं ताकि पहले के बचे इस माल पर टैक्स न देना पड़े। भुवन सिंह गुन्ज्याल की निशानदेही पर संयुक्त टीम द्वारा उसके गोदाम मे रखी 513 पेटी अंग्रेजी शराब बरामद की गयी। पुलिस द्वारा की जा रही कार्यवाही के दौरान भुवन सिंह गुन्ज्याल पुत्र बहादुर सिंह व रमेश सिंह खनका उर्फ रमिया अंधेरे का फायदा उठाकर मौके से फरार हो गये जिनकी तलाश की जा रही है तथा आरोपी विमल अधिकारी पुत्र नैन सिंह अधिकारी को बरामद माल के साथ गिरफ्तार किया गया है। बरामद शराब की कीमत लगभग 70 लाख रूपये आंकी गयी है जो चुनाव के दौरान शराब माफियाओं के विरूद्ध की गयी अब तक की सबसे बड़ी कार्यवाही बतायी गयी हैं।

फर्जी आयकर विभाग का छापा, 5 गिरफ्तार

हमारे संवाददाता

देहरादून। स्पेशल-26 की तर्ज पर कल देर रात तीर्थनगरी ऋषिकेश में फर्जी आयकर विभाग द्वारा एक घर में छापेमारी की गयी। हालांकि शक होने पर स्थानीय लोगों ने चार फर्जी आयकर अधिकारियों को दबोच कर पुलिस को सौंप दिया गया। वहीं इस मामले में कुछ लोग नगदी व ज्वैलरी लेकर फरार होने में कामयाब रहे। जिनमें से एक और व्यक्ति पुलिस गिरफ्त में आ चुका है।

जानकारी के अनुसार कल देर रात शहर के मानवेंद्र नगर स्थित एक मकान पर फर्जी आयकर विभाग द्वारा छापेमारी की गयी। बताया जा रहा है कि छापेमारी करने पहुंचे लोग इस तरह का व्यवहार कर रहे थे कि गृह स्वामी संदीप को वह असली आयकर विभाग के अधिकारी लगे। आयकर विभाग की छापेमारी की खबर सुनते ही स्थानीय लोग मौके पर पहुंच गये और उनमें से कुछ लोगों को इन आयकर अधिकारियों शक हुआ। जिस पर उन्होने उनसे पूछताछ की। भीड़ बढ़ती देख फर्जी आयकर अधिकारी वहां से भागने लगे। जिस पर लोगों ने उनमें से चार व्यक्तियों को मौके पर ही दबोच लिया। जबकि इस दौरान तीन लोग नगदी व ज्वैलरी सहित फरार होने में सफल रहे। हालांकि फरार लोगों में से एक व्यक्ति को बाद में पकड़ लिये जाने की बात कही जा रही है। इधर मामले की जानकारी मिलते ही पुलिस ने मौके पर पहुंच कर सभी 5 लोगों को हिरासत में लेकर जांच शुरू कर दी गयी है। बताया जा रहा है कि फर्जी आयकर विभाग के अधिकारी बने यह लोग दिल्ली से आये थे। बहरहाल पुलिस इनसे पूछताछ में जुटी है।

कांग्रेस कर रही है तुष्टीकरण की राजनीतिः हिमंत

संवाददाता

किच्छा। उत्तराखण्ड चुनावी दौरे पर आये असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने कहा कांग्रेस नहीं चाहती कि मुस्लिम युवतियां पढ़ लिख कर डाक्टर-इंजीनियर बनें। वह चाहते हैं सब हिजाब में उलझीं रहें। उन्होने कहा कि हिजाब के मामले को न्यायालय में ले जाने वाले कांग्रेस के ही अधिवक्ता हैं। जबकि भाजपा प्रधानमंत्री मोदी की अगुवाई में देश को विश्व गुरु बनाने की दिशा में काम कर रही है।

उन्होने कहा कि कांग्रेस जानती है यदि सभी शिक्षित हो गए तो उनके घोटाले व गलत कामों पर सवाल उठाएंगे। वह सबको बेवजह के मुद्दों में उलझाए रखना चाहती है। उन्होने सवाल उठाते हुए पूछा कि वर्तमान में स्कूल-कालेजों के अंदर शिक्षा पाना जरूरी है या हिजाब। उन्होने बताया कि इन्ही कारणों से वहां कालेज तीन दिन तक बंद रहा। पत्थरबाजी हुई और अब मामला कोर्ट तक ले जाया गया है।

सीएम हिमंत बिस्वा आज भाजपा प्रत्याशी राजेश शुक्ला के समर्थन में सभा करने किच्छा पहुंचे थे। उन्होंने कहा कि 70 साल तक देश में शासन

कर कांग्रेस ने सिर्फ तुष्टिकरण की राजनीति की है, उन्होने बताया कि असम में हजारों मदरसे खोले गये। उन्होने कहा कि सबको हिजाब के चक्कर में डाल कर कांग्रेस चाहती है कि मुस्लिम लड़कियां इंजीनियर-डाक्टर न बन पाएं। देश शिक्षा से आगे जाएगा न कि तुष्टिकरण की राजनीति से। उन्होने कहा कि उत्तराखंड के पूर्व सीएम हरीश रावत देवभूमि को मुस्लिम यूनिवर्सिटी देने का सपना लेकर चुनाव मैदान में है।

आर.एन.आई.- 59626/94
स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक श्रीमती पुष्पा कांति कुमार द्वारा दिग्विजय सिनेमा बिल्डिंग घंटाघर, देहरादून से प्रकाशित तथा अवि प्रिंटर्स 21 ईसी रोड, देहरादून से मुद्रित।

प्रधान संपादक
कांति कुमार

संपादक
पुष्पा कांति कुमार

समाचार संपादक
आनंद कांति कुमार

कानूनी सलाहकारः
वी के अरोड़ा, *एडवोकेट*
बैजनाथ, *एडवोकेट*

कार्यालयः दिग्विजय सिनेमा बिल्डिंग देहरादून।
मो. 9358134808

नोटः सभी विवादों के लिये देहरादून न्यायालय ही मान्य होगा, प्रकाशित सामग्री के लिए प्रिंटर्स की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी।